

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित



फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन... 06

वर्ष-01

अंक-39

नई दिल्ली सोमवार, 27 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कारगिल के शहीदों को किया नमन कारगिल का बलिदान हर भारतीय का गर्व : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उन्होंने देश के वीर शहीदों और सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह दिन हर भारतीय को गर्व से भर देता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में राक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, जल संरक्षण, खेल, विज्ञान, अंतरिक्ष, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 26 जुलाई भारतीय इतिहास की ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए कैलेंडर देखने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि कारगिल की दुर्गम चोटियों पर भारतीय सैनिकों ने अत्यंत साहस का परिचय देते हुए देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने सभी वीर शहीदों और सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि देश हमेशा उनके त्याग का ऋणी रहेगा।



खेल और विज्ञान में युवाओं की उपलब्धियों की सराहना

प्रधानमंत्री ने बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को जापान ओपन जीतने पर बधाई दी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम को लॉर्ड्स में पहली टेस्ट जीत को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और गणित ऑलंपियाड में भारतीय छात्रों के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। इसके साथ ही निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण को देश के लिए गर्व का क्षण बताया।

15 अगस्त के लिए पीएम मोदी ने मांगे सुझाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने विचार और सुझाव साझा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लॉग 'माईगव' पोर्टल के माध्यम से अपने सुझाव भेज सकते हैं, जिनका उपयोग 15 अगस्त के संबोधन में किया जाएगा। 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष भी 'हर घर तिरंगा' अभियान को पूरे उत्साह और सम्मान के साथ आगे बढ़ाया जाए तथा प्रत्येक नागरिक अपने घर पर तिरंगा फहराकर आजादी के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करे। साथ ही उन्होंने भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी शिक्षकों और गुरुजनों को नमन किया।

प्रधानमंत्री ने बताया कि इस वर्ष पहली बार विशेष 'शौर्य विजय यात्रा' निकाली जा रही है। यह मोटरसाइकिल यात्रा 14 जुलाई को

दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल से शुरू होकर द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि 'वन राइड, वन

नेशन, वन सैल्यूट' का संदेश देने वाली यह यात्रा युवाओं को देश के वीर सैनिकों के बलिदान से जोड़ने का प्रयास है।

दुस्साहस किया तो मिलेगा करारा जवाब : रक्षा मंत्री

कारगिल विजय दिवस



नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पहुंचकर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि भारत के खिलाफ आतंकवाद का सहारा लेने वालों का अंजाम क्या होता है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वह किसी भी प्रकार का दुस्साहस करता है तो भारत उसकी कल्पना से भी अधिक कड़ा जवाब देने में तैयार है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत आधुनिक युद्धपोत बना रहा है, समीकंडक्टर का निर्माण कर रहा है और दुनिया को सॉफ्टवेयर उपलब्ध करा रहा है। वहीं पाकिस्तान आतंकवाद, कट्टरपंथ और घुसपैठ को बढ़ावा देने में जुटा हुआ है।

प्रल्हाद जोशी ने संभाला केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद



पहले दिन अधिकारियों संग की अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पदभार ग्रहण कर लिया। धर्मेश प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी थी। पदभार संभालने के बाद जोशी ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय उनके लिए नया विषय है और वह पहले विभाग के कामकाज को पूरी तरह समझने के बाद ही किसी नीति या योजना पर विस्तार से बात करेंगे।

पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रल्हाद जोशी

ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन पर भरोसा जताते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने बताया कि वह शनिवार रात कर्नाटक से दिल्ली पहुंचे और रविवार सुबह मंत्रालय पहुंचकर कार्यभार संभाला। इसके बाद उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर मंत्रालय की कार्यप्रणाली और लंबित मामलों की समीक्षा शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय एक बड़ा और महत्वपूर्ण विभाग है। फिलहाल वह सभी जानकारियां जुटा रहे हैं और विभाग के कामकाज को विस्तार

से समझने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्रालय को पूरी तरह समझने के बाद ही वह भविष्य की योजनाओं और प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। पदभार संभालने के बाद प्रल्हाद जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में जिम्मेदारी सौंपने के लिए वह प्रधानमंत्री के प्रति आभारी हैं और इस दायित्व का निर्वहन पूरी विनम्रता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ करेंगे।

हरदोई में 1.29 करोड़ की चोरी का खुलासा तीन नौकर समेत 14 आरोपी गिरफ्तार

हरदोई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हरदोई में रेलवेगंज निवासी कारोबारी पंकज अग्रवाल के घर हुई करीब 1.29 करोड़ रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन नौकरों समेत 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो बाल अपचारियों को भी संरक्षण में लिया है और चोरी की पूरी रकम बरामद करने का दावा किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुबोध गौतम ने बताया कि 16 और 17 जुलाई की रात कारोबारी के घर से नकदी से भरे बैग चोरी होने की सूचना मिली थी। पीड़ित की तहरीर पर तीन नौकरों के खिलाफ मामला दर्ज कर एसओजी, स्वाट और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि तीनों नौकरों ने घर के लोगों के खाने में नौद की गोलीयां मिला दी थीं। सभी के सो जाने के



बाद उन्होंने अपने साथियों को बुलाया, जो वाहन और छोटा हाथी लेकर पहुंचे तथा नकदी से भरे बैग लेकर फरार हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिराह के 14 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 1.29 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

परीक्षा सुधारों पर पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में बनेगी हाई-पावर्ड टास्क फोर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जारी अपने वीडियो संदेश में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी कीमत पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शने वाली नहीं है और ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म पर जारी एक वीडियो में कहा कि देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की धांधली या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़



करने वाले कई आरोपी जेल में हैं और ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रेक कोर्ट की व्यवस्था भी की गई है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने संसद में इस संबंध में कानून बनाने का भी निर्णय लिया है, ताकि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि परीक्षा सुधारों को लागू करने और आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग की सुनिश्चित करने के लिए विश्व प्रसिद्ध

प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में एक हाई-पावर्ड टास्क फोर्स गठित की जाएगी। प्रधानमंत्री के अनुसार, यह टास्क फोर्स परीक्षा सुधारों पर व्यापक सुझाव देगी और आने वाली परीक्षाओं के लिए स्पष्ट एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर सरकार आवश्यक सुधारों को लागू करेगी, जिससे परीक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और भरोसेमंद बन सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य देश के प्रत्येक छात्र के भविष्य की रक्षा करना है और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह निष्पक्ष एवं आधुनिक बनाना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खुले गड्ढे में गिरने से छह वर्षीय मासूम की मौत

ठेकेदार समेत तीन पर एकआईआर

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। नॉलेज पार्क क्षेत्र स्थित कलाधाम सोसाइटी के पास खुले पानी से भरे गड्ढे में गिरने से छह वर्षीय मासूम की मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने संबंधित ठेकेदार, सुरवाइजर और टेक्निकल सुरवाइजर के खिलाफ एकआईआर दर्ज कराते हुए उनकी सेवाएं समाप्त कर दी हैं। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य सीवान यादव का छह वर्षीय बेटा शनिवार शाम अन्य बच्चों के साथ खेलते समय ट्यूबवेल के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में गिर गया। स्थानीय लोगों ने बच्चे को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच में प्राधिकरण ने ठेकेदार की लापरवाही को हादसे का कारण माना है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गड्ढे के चारों ओर न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। महाप्रबंधक ए.के. सिंह ने बताया कि ठेकेदार ने बिना अनुमति बोरवेल का स्थान बदल दिया था, जिसके चलते यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

50 हजार का इनामी बदमाश विपुल उर्फ खूनी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

बागपत। मेरठ एसटीएफ और बागपत के सिंचावली अहीर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश विपुल उर्फ खूनी मुठभेड़ में मार गिराया। मुठभेड़ शनिवार शाम सिंचावली अहीर-सैडभर मार्ग पर सिंचाई विभाग के बंगले के पास हुई। घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से दो पिस्टल, कारतूस, खोखे और एक अपाचे बाइक बरामद की है।

पुलिस के अनुसार शामली जिले के भभीसा गांव निवासी विपुल उर्फ खूनी कुख्यात सुशील मूंछ गैंग का शॉर्प शूटर था। उसके खिलाफ शामली, बागपत, दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर में हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और अन्य गंभीर अपराधों के 38 मुकदमे दर्ज थे। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर शामली पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

एसपी सुरज कुमार राय ने बताया कि शनिवार शाम विपुल के अपाचे बाइक से सिंचावली अहीर-सैडभर मार्ग से गुजरने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर मेरठ एसटीएफ और स्थानीय पुलिस ने घेराबंदी की। खुद को धिक्का देख विपुल ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जबकी कार्रवाई में वह गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम में उसके



सोने में तीन गोलीयां लगने और एक गोली कनपटी को छूकर निकलने की पुष्टि हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि करीब दो वर्ष पहले जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद विपुल ने अपने गांव के एक हत्या के मुकदमे की वादी अशोक कुमार से मुकदमे की पैरवी में खर्च हुए रुपये मांगने शुरू कर दिए थे। रुपये नहीं देने पर उसने जान से मारने की धमकी भी दी थी। इस मामले में अप्रैल 2026 में कांथला थाने में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके अलावा कई मामलों में अदालत से गैर-जमानती वारंट भी जारी थे।

पुलिस के मुताबिक विपुल का अपराधिक नेटवर्क पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक फैला हुआ था। उसने शुरूआत अपने गांव के बदमाश भीम के साथ की थी। इसके बाद वह दिल्ली के चीनी पंडित गिरोह, सुशील मूंछ गैंग और टीकरी के सुनील राठी गैंग से जुड़ा। वह पूर्वांचल के डॉन मुन्ना बजरंगी के गैंग में भी कई वर्षों तक सक्रिय रहा।

दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशन फिर खुले एंट्री-एग्जिट सेवाएं पूरी तरह बहाल

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने रविवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर सामान्य परिचालन बहाल कर दिया गया है। अब सभी मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों के लिए एंट्री (एंट्री) और निकास (एग्जिट) की सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि सभी स्टेशन

यात्रियों के लिए पूरी तरह खुले हैं। दरअसल, नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर जंतर-मंतर के आसपास चल रहे प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों के निर्देश पर डीएमआरसी ने शनिवार को सेंट्रल दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी थीं। इस दौरान यात्रियों को केवल ट्रेनों के आवागमन की सुविधा दी गई थी।

हूती के ड्रोन और जहाज पर हमले के दावों से लाल सागर में बढ़ा तनाव

सऊदी जासूसी ड्रोन मार गिराने का दावा, बाब-अल-मंदेब के पास सुरक्षा घटना से समुद्री व्यापार पर बढ़ी चिंता

सना, एजेंसी। यमन के हूती समूह ने उत्तरी प्रांत अल-जौफ में सऊदी अरब के एक जासूसी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। इसके साथ ही दक्षिणी लाल सागर में एक टैंकर के निकट हुई सुरक्षा घटना ने क्षेत्र में तनाव और समुद्री व्यापार की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दावा किया कि समूह की सेनाओं ने अल-जौफ के हवाई क्षेत्र में कथित दुश्मन गतिविधियों में शामिल ड्रोन को उपयुक्त हथियारों से मार गिराया। हालांकि, उन्होंने इस कार्रवाई के संबंध में अधिक जानकारी साझा नहीं की।



उधर, ब्रिटेन के यूनाइटेड किंगडम मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के निकट दक्षिणी लाल सागर में एक टैंकर के पास संदिग्ध वस्तु के पानी में गिरने की

सूचना मिली। हालांकि जहाज और चालक दल सुरक्षित हैं, लेकिन घटना ने समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हाल के दिनों में हूती समूह ने सऊदी अरब से जुड़े जहाजों पर समुद्री प्रतिबंध लगाने और लाल सागर में व्यापारिक

जहाजों को निशाना बनाने की घोषणा की थी। इसके जवाब में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में हूती नियंत्रित क्षेत्रों पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। वहीं हूती समूह ने भी जिजान और यानबू क्षेत्र के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर मिसाइल और ड्रोन

हमले करने का दावा किया है। यमन में वर्ष 2014 से जारी संघर्ष के बीच हालिया घटनाओं ने क्षेत्रीय सुरक्षा और लाल सागर से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ा दी है।

बहन की हत्या कर शव खेत में छिपाने वाला भाई गिरफ्तार, वेवसिटी पुलिस ने 72 घंटे में सुलझाया ब्लाइंड मामला

स्वदेश प्रेम गाजियाबाद । वेवसिटी थाना क्षेत्र में एक युवती की निर्मम हत्या कर उसका शव खेत में छिपाने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना के मात्र तीन दिनों के भीतर आरोपी को पकड़कर हत्या में प्रयुक्त आरी को ब्लेड भी बरामद कर लिया। बीती 23 जुलाई 2026 को जीपुरा निवासी मनोज कुमार के ज्वार के खेत में एक अज्ञात युवती का शव मिलने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। शव की पहचान तत्काल नहीं हो सकी थी। जांच में पता चला कि युवती का गला किसी धारदार हथियार से काटा गया था। खेत मालिक की तहरीर के आधार पर थाना वेवसिटी में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया और मामले की जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वेवसिटी पुलिस, स्वांट टीम और सर्विलांस टीम को जांच में लगाया गया। पुलिस ने करीब 400 से 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहन स्वामियों से पूछताछ की। इसके अलावा घटनास्थल के आसपास सक्रिय मोबाइल नंबरों की लोकेशन और मूवमेंट का विश्लेषण किया गया, जिससे पुलिस को



महत्वपूर्ण सुगम मिले। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी दीपक कुमार उम्र 24 वर्ष को गिरफ्तार किया। आरोपी सिद्धार्थनगर जिले के बांधवताल गांव का निवासी है और

कि उसकी 18 वर्षीय बहन रीमा किसी युवक से बातचीत करती थी और उसी से विवाह करना चाहती थी। आरोपी को यह संबंध पसंद नहीं था और वह बहन को बार-बार समझाता था। बीती 22 जुलाई को इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। बहन द्वारा अपनी पसंद के युवक से शादी करने की बात दोहराने पर आरोपी को गुस्सा आ गया। उसने बहन का गला दबाया और बाद में पेंट-पीओपी के काम में इस्तेमाल होने वाली आरी के ब्लेड से उसका गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को ज्वार के खेत में छिपाकर फरार हो गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश



स्वदेश प्रेम-जेवर । जेवर के मोहल्ला सरायनैन सिंह में रविवार को वार्ड सभासद पराग अग्रवाल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य एवं फिटनेस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। शिविर के दौरान लोगों का रक्तचाप, रक्त शर्करा, बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया निःशुल्क किए गए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने उपस्थित लोगों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, प्रतिदिन व्यायाम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से कई गंभीर बीमारियों का प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाया जा सकता है, जिससे उनका उपचार आसान हो जाता है। शिविर में पहुंचे नगरवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनस्वास्थ्य के प्रति एक सराहनीय प्रयास बताया। लोगों का कहना था कि ऐसे शिविरों से आमजन को बिना किसी शुल्क के स्वास्थ्य संबंधी जांच और विशेषज्ञों की सलाह मिल जाती है, जिससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। शिविर के सफल आयोजन में उमेश्वर सेनी, सुनील सेनी, जमशेद खान, अनीस खान सहित अन्य सहयोगियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कलाधाम हादसा: मासूम की मौत पर प्राधिकरण का बड़ा एक्शन, ठेकेदार पर एफआईआर, दो कर्मचारी बर्खास्त

स्वदेश प्रेम ग्रेटर नोएडा । नॉलेज पार्क-दो स्थित कलाधाम सोसाइटी में नलकूप के लिए खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में डूबने से छह वर्षीय मासूम अय्यान सूर्या की मौत के मामले में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कड़ी कार्रवाई की है। निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को गंभीर लापरवाही मानते हुए प्राधिकरण ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ नॉलेज पार्क कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। साथ ही ठेकेदार की फर्म को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। घटना में जल विभाग के तकनीकी सुपरवाइजर आकाश कुमार और सुपरवाइजर जॉनी कुमार की लापरवाही सामने आने पर दोनों की सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी गई हैं तथा उनके विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज कराने की संस्तुति की गई है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने स्पष्ट



किया है कि जांच में यदि किसी वरिष्ठ अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि जलापूर्ति व्यवस्था सुधारने के लिए नलकूप निर्माण का कार्य तीन दिन पहले शुरू किया गया था, लेकिन ठेकेदार ने बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और घेराबंदी किए गड्ढा खोद दिया, जिसमें पानी भर गया। शनिवार शाम खेलते समय केंद्रीय विद्यालय के उपप्रधानाचार्य सीवान

सूरजपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर बना जनसेवा का उदाहरण, 195 लोगों ने उठाया विशेषज्ञ चिकित्सा का लाभ

स्वदेश प्रेम ग्रेटर नोएडा । सामाजिक संस्था संकल्प ने सनराइज स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से सूरजपुर स्थित अंबेडकर भवन में सनराइज केयर अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में 195 लोगों के खून, लीवर, किडनी, आंखों और दांतों की आधुनिक जांच निःशुल्क की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने के साथ आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराईं। शिविर का संचालन शारदा हॉस्पिटल के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सनराइज स्पोर्ट्स इंडिया की अधिकारी एडवोकेट पायल सिंघल एवं शारदा हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राम मूर्ति शर्मा ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् डॉ. भूपेन्द्र नागर ने की, जबकि मंच संचालन सिमरन भाटी ने किया। संकल्प संस्था के सह-संस्थापक अमित नागर ने सभी अतिथियों एवं



सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि एडवोकेट पायल सिंघल और डॉ. राम मूर्ति शर्मा ने कहा कि स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। एडवोकेट पायल सिंघल ने बताया कि सनराइज स्पोर्ट्स इंडिया की सीईओ आदित्य विक्रम धर का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना तथा

कारागल विजय दिवस पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि, 'जरा याद करो कुबानी' पुस्तक का हुआ लोकार्पण



स्वदेश प्रेम-साहिबाबाद । जी.टी. रोड स्थित शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव पार्क में शनिवार को कारागल विजय दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कारागल के वीर शहीदों को नमन करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया तथा रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल अर्जुन सिंह यादव द्वारा लिखित पुस्तक "जरा याद करो कुबानी" और उपन्यास "सैनिकी" का लोकार्पण किया गया। समारोह के मुख्य वक्ता शिक्षाविद राम दुलार यादव ने कहा कि कारागल युद्ध में भारतीय सेना ने विपरीत परिस्थितियों में अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए दुश्मन के कब्जे वाली चौकियों पर तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की रक्षा करती है और पूरे समाज के लिए एकता व धर्मनिरपेक्षता की मिसाल है। उन्होंने कारागल युद्ध के 527 से अधिक शहीदों को याद करते हुए कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज पांडेय तथा परमवीर चक्र विजेता ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव के शौर्य को स्मन किया। साथ ही समाज में भाईचारा, प्रेम और सहयोग की भावना मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य लामने, पुस्तकालय के लिए दो कमरों का निर्माण तथा क्षतिग्रस्त गलियों में सीसी और आरएमसी सड़क निर्माण जैसे करीब 1.70 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके अलावा हरचंदी गली, प्रवीण मुखिया वाली गली तथा सेक्टर-72 के समानांतर मार्ग पर लगभग 80 लाख रुपये की लागत से सीसी, आरएमसी और कुश्ती मैदान सहित लगभग 17.20 करोड़ रुपये की लागत वाले 10 अन्य विकास कार्यों की भी शीर्ष शुरू कराने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास की उम्मीद जताई।

भाकियू लोकशक्ति नोएडा महानगर अध्यक्ष बने हरेन्द्र सिंह



स्वदेश प्रेम-नोएडा । भाकियू लोकशक्ति की एक महत्वपूर्ण बैठक छलेरा बारात घर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. रोहतास ने की और संचालन संगठन के परिवहन मंत्री ओमप्रकाश गुर्जर ने किया। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की नीतियों से आज किसान परेशान हैं "संगठन दिन-प्रतिदिन मजबूत हो रहा है। किसान की लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर चल रही है। प्राधिकरण से वार्ता कर किसानों की मांगों को उनके सामने रखा जाएगा। अगर प्राधिकरण किसानों की मांगों को नहीं मानता है तो जल्द ही प्राधिकरण का घेराव कर आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। संगठन को मजबूत करने के लिए कई नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। नोएडा महानगर अध्यक्ष: हरेन्द्र सिंह सहित नवनियुक्त धर्मेद बैसोया, लीलू चौहान, रोहित अवाना, सुमरपाल, कौशिक कुमार, रामकुमार शर्मा, विकास यादव, गजेन्द्र बैसोया, पवन अवाना, कंजय अवाना, शौकिन्द्र, सचिन बैसोया, परमजीत तंवर, सौरव तंवर, अभिषेक अवाना आदि पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। परिवहन विभाग के बने पदाधिकारी सुधीर ठाकुर, धनंजय शाह, जय सिंह, कुलजीत, अरुण दादा, अंकित पाल आदि। मीटिंग में आमंदत चौहान, शिवकुमार बैसोया, राजजीत शर्मा, राजकुमार मोनू, सुनील बैसोया, अरुण गौतम, महेश बैसोया, प्रमोद प्रजापति, अशोक चौहान, जोगेंद्र चाराना, महरदीन, प्रवीण चौहान, धर्मराज, विवेक, अरविंद गौ



स्वदेश प्रेम गाजियाबाद । थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने घर से करीब 25 से 30 लाख रुपए की ज्वेलरी चोरी की वारदात का मात्र 12 घंटे में खुलासा करते हुए आरोपी किराएदार को गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए सभी सोने और हীরे के आभूषण बरामद कर लिए हैं पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल के अनुसार सुदामा पुरी निवासी रीता गोयल ने 25 जुलाई



को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 18 जुलाई को अपने पति और बेटे के साथ खाटू श्याम जी के दर्शन करने गई थी इसी दौरान उनके घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर लाखा रुपए के जेवर चोरी कर ले गया शिकायत के आधार पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने आस पास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने सुनीं सफराबाद के ग्रामीणों की समस्याएं, 19 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को मिली गति



स्वदेश प्रेम-नोएडा । नोएडा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पंकज सिंह ने रविवार को इंडोर स्टेडियम में ग्राम सफराबाद के ग्रामीणों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (सिविल) सहित जल, विद्युत, उद्यान एवं अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। जनसंवाद के दौरान विधायक ने अधिकारियों को ग्रामीणों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने गांव में पुलिसों को रुका करने, लोहे की जालियां लगाने, पुस्तकालय के लिए दो कमरों का निर्माण तथा क्षतिग्रस्त गलियों में सीसी और आरएमसी सड़क निर्माण जैसे करीब 1.70 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके अलावा हरचंदी गली, प्रवीण मुखिया वाली गली तथा सेक्टर-72 के समानांतर मार्ग पर लगभग 80 लाख रुपये की लागत से सीसी, आरएमसी और कुश्ती मैदान सहित लगभग 17.20 करोड़ रुपये की लागत वाले 10 अन्य विकास कार्यों की भी शीर्ष शुरू कराने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास की उम्मीद जताई।

जिला कारागार का निरीक्षण, बंदियों के कौशल विकास और अधिकारों पर दिए आवश्यक निर्देश

स्वदेश प्रेम ग्रेटर नोएडा । इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश अजय भनोट ने अपने तीन दिवसीय जनपद भ्रमण के अंतिम दिन रविवार को जिला कारागार गौतमबुद्धनगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बंदियों के अधिकारों, कौशल विकास, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कारागार प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कारागार में बंदियों के पुर्नवास और आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से सिलाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण, योग, ध्यान, संगीत, चित्रकला और नृत्य जैसी गतिविधियों का नियमित

संचालन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अजय भनोट ने कारागार पुस्तकालय और विभिन्न प्रशिक्षण कक्षों का अवलोकन किया। बंदियों ने नृत्य, संगीत, सिलाई और कंप्यूटर प्रशिक्षण से जुड़ी प्रस्तुतियां भी दीं, जिनकी उन्होंने सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि विदेशी बंदियों के लिए समूह चर्चा, रंगमंच, नुकड़ नाटक और अन्य रचनात्मक गतिविधियों का भी नियमित संचालन कराया जाए, ताकि उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण के साथ व्यक्तित्व विकास के अवसर भी मिल सकें। साथ ही विदेशी बंदियों की भाषाओं के अनुरूप पुस्तकालय में पुस्तकों की



उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा हिंदी, अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं की पर्याप्त अध्ययन सामग्री रखने

के निर्देश दिए। प्रशासनिक न्यायाधीश ने बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनके मुकदमों और अन्य समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके त्वरित एवं विधिसम्मत निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव, अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रभारी सचिव सोमप्रभा मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हिकेश पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अजय कुमार, जेलर आर.के. मौर्य, सजय साही, उप जेलर सुरजीत सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

Online Gyanm

COMPLETE YOUR COURSE ONLINE

ADMISSION OPEN 2026-2027 SESSION

TOP RECOGNIZED UNIVERSITIES & INSTITUTIONS

SWAMI VIVEKANAND SUBHARTI UNIVERSITY MEERUT

HANGLAYATAN UNIVERSITY ALIGARH

VIVEKANAND GLOBAL INSTITUTION JAIPUR

NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING

BOARD OF OPEN SCHOOLING & SKILL EDUCATION SIKKIM

ONLINE / DISTANCE COURSES (DEB APPROVED)

BA BA BBA B.Com M.Com M.Sc MBA PGDCA PGDBM B.Lib LIB

OPEN SCHOOLING COURSE

10th 12th

ONLINE / DISTANCE COURSES के कायदे

किसी की पूर्ण स्वतंत्रता किसी की बात, कहीं से भी पाठ्य को

पर की शिक्षा प्राप्त करें अपने जीवन और परिवार को शिक्षित रखें

किरायती शिक्षा कल्पना करें कल्पना ही सच है

भाषाओं का विविधता के साथ सीखें और सीखें और सीखें और सीखें

शिक्षण के विविधता के साथ सीखें और सीखें और सीखें और सीखें

“अपने सपने को ही नई उड़ान, अनोखे रास्ते के साथ बनाएं बेहतर कल”

ENROLL NOW!

FLEXIBILITY IS THE KEY TO YOUR SUCCESS

Recorded Lectures & Study Material

Online Exams & Assignments

Student Support 24x7

Easy Admission Process

100% Secure & Trusted

CALL US NOW 9811552950

VISIT OUR WEBSITE www.onlinegyanm.com

EMAIL US onlinegyanm@gmail.com

माध्या प्रकाश संस्थानों से जुड़े। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त। उच्चतम भूमिका बनाएं।

सक्षिप्त समाचार

लोकतंत्र में जवाबदेही को लंबे समय

तक टाला नहीं जा सकता :शशि थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा धर्मप्र प्रधान ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सरकार द्वारा छात्रों की सभी मांगों को भी मान लिया गया। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को खत्म करने का एलान कर दिया। इस मामले पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर का भी बयान सामने आया है। थरूर ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी तब आया है जब संसद मार्च करने वाले छात्रों के ऊपर पुलिस ने बर्बरता से हमला किया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर शशि थरूर ने अपने एक्स हैडल पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा इस बात की स्वीकरोरित है कि लोकतंत्र में जवाबदेही को अनिश्चित काल के लिए नहीं टाला जा सकता। यह इस्तीफा देश भर में दृढ़तापूर्वक, शांतिपूर्ण और प्रतिबद्ध आवाज उठा रहे छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों के हफ्तों लंबे शांतिपूर्ण संघर्ष के बाद आया है। शशि थरूर ने लिखा कि यह तब आया है जबकि असंख्य युवा भारतीय नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अपने लोकतांत्रिक अधिकार के कारण पुलिस की बर्बरता का अनुचित रूप से सामना करना पड़ा। इसकी चिंता हर नागरिक को होनी चाहिए, चाहे उसकी राजनीतिक विचारधारा कुछ भी हो, लेकिन जवाबदेही एक इस्तीफे से खत्म नहीं होती।

दीपके बिहार आकर सम्राट चौधरी की सरकार उखाड़ फेंकिए तेज प्रताप यादव ने दिया न्योता

पटना, एजेंसी। बिहार की सियासत में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है. जेजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार के खिलाफ सीधी जागू का एलान कर दिया है. तेज प्रताप ने सोशल मीडिया पर एक बेहद चौकाने वाला और आक्रामक पोस्ट साझा कर विपक्षी खेमे में हलचल तेज कर दी है. तेज प्रताप यादव ने ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के संस्थापक अभिजीत दीपके से तुरंत बिहार आने की विशेष अपील की है. उन्होंने कहा कि सूबे के मौजूदा सियासी हालात को देखते हुए अब एक बड़े और कड़े जनांदोलन की सख्त जरूरत है. तेज प्रताप ने अभिजीत दीपके से आग्रह किया है कि वे बिहार की धरती पर कदम रखें।

कर्नाटक : सीएम शिवकुमार

बोले- प्राइवेट स्कूल मालिकों को सरकारी स्कूल गौद लेने चाहिए

चित्रदुर्ग , एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट से अपील की है कि वे अच्छी शिक्षा देने के लिए राज्य के ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्कूलों को गौद लें. शनिवार को चित्रदुर्ग जिले में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि इसका मकसद गांव के स्कूलों को इंग्रस्ट्रक्चर और व्वालिटी दोनों में बेगलुरु के स्कूलों के स्तर तक ले जाना है. उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले प्राइवेट सेक्टर के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था. उन्होंने कहा कि जो लोग बड़े प्राइवेट स्कूल चलाते हैं, वे उद्यमियों के अलावा कुछ नहीं हैं और ऐसे उद्यमियों को सीएसआर अवसर पर पैसा खर्च करना जरूरी है. उन्होंने कहा, ‘इसलिए मैंने प्राइवेट स्कूलों से कहा है कि उन्हें सीआरआर पॉलिसी के अनुसार पैसा खर्च करना चाहिए. एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार अगले हफ्ते होगा. कैबिनेट का विस्तार 21 जुलाई को होना था, लेकिन लोकसभा नेता राहुल गांधी के नीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के कारण पार्टी हाईकमान इसे अंतिम मंजूरी नहीं दे सका. उन्होंने कर्नाटक लोक सेवा आयोग के चेयरमैन के निलंबन के मामले में भी भाजपा पर पलटवार करने की कोशिश की।

1980 में वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का कथित रूप से नाम जुड़वाने पर FIR दर्ज करने की मांग पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेंशस कोर्ट ने शनिवार को 1980 में वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का कथित रूप से नाम जुड़वाने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. स्पेशल जज विशाल गोमन ने अब इस मामले में 13 अपराधों को फैसला सुनाने का आदेश दिया. याचिका वकील विकास त्रिपाठी ने दायर किया है. विकास त्रिपाठी ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के खारिज करने के आदेश को सेंशस कोर्ट में चुनौती दी है. 9 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था. इसके पहले 11 सितंबर को एडिशनल चीफ जूडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने याचिका खारिज कर दिया था. याचिका में कहा गया है कि वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम 1980 में ही जुड़ गया था जबकि वो 1983 में भारत की नागरिक बनीं. याचिका में कहा गया है कि सोनिया गांधी का नाम दिल्ली के नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट में 1980 में ही जुड़ गया था।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की संपत्ति होगी जब्त: सीएम योगी आदित्यनाथ

फतेहपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नम।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत देशियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और १10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए १489 करोड़ से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही ‘जय श्रीराम’, ‘मोदी-योगी जिंदाबाद’ के नारों से पूरा परिसर गुंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए।

कोई नहीं रोक सकता नकल माफिया को मिट्टी में मिलने से : अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन खड़ा



किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज चंडियाली आंभू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा को विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

पेपर लीक पर पीएम मोदी जी ने उठाए कड़े कदम : मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा समय सीमा के भीतर कराई गई, ताकि छात्रों का पूरा वर्ष खराब न हो, और निर्धारित समय सीमा में उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। कुछ माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कराया था, उनकी गिरफ्तारी हुई और नेशनल टेरिस्ट एजेंसी (एफटीए) के तत्तम अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। कुछ लोगों की

गिरफ्तारी हुई है, उनकी संपत्तियां जब्त होंगी और उन्हें सजा मिलेगी। ये छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर पीएम मोदी जी द्वारा उठाए गए कड़े कदम हैं। मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूँ, अभिर्नंदन करता हूँ और आभार व्यक्त करता हूँ।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी जी ने छात्रों व युवाओं के लिए पिछले 12 वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री स्टैंडअप योजना के माध्यम से भारत के नौजवानों में अशा की नई किरण जगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर नौजवानों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर दिया। आज भारत के नौजवानों को दुनिया में सम्मान मिलता है। मोदी जी ने युवाओं को एक वर्ष में 12 लाख सरकारी नौकरियां दीं और गत 12 वर्षों में करोड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर देकर उनके जीवन को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया है। आज जब युवाओं के मन में कुछ कसक थी, तब पीएम स्वयं सामने आए, युवाओं के साथ संवाद किया और संसद में सख्त कानून लाने के लिए कैबिनेट से नए अधिनियम के मसौदे को पारित कराया, यह अभिर्नंदनीय है।

माफिया पर नकेल कसी और दीं 9 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां : मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं युपी के नौजवानों से कहना चाहता हूँ कि जिसने छात्रों व युवाओं के भविष्य के

साथ खिलवाड़ किया, उस माफिया के लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नम। माफिया के बाप-दादा की कमाई गई संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। हमने माफियाओं पर सख्ती से लगाम कसी है। ऐसा न किया होता तो हम 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाते।

भाजपा की जमीन पर था पूर्व सपा विधायक का कब्जा : सीएम ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास कभी नहीं था और न है। सपा के लोग अब बेरोजगारों की तरह घूम रहे हैं, क्योंकि ठेके, पेटे और अवैध जमीनों पर कब्जे का उनका धंधा चौपट हो चुका है। इसलिए वे हलाश-निराश बैठे हुए हैं। पहले वे किसी भी खाली जमीन या प्लॉट पर कब्जा कर लेते थे। भाजपा ने 1990 में लखनऊ में एक कार्यालय के लिए जमीन ली थी। जब कार्यकर्ताओं ने चंदा इकट्ठा कर कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो पता चला कि उस जमीन पर भी सपा के एक पूर्व विधायक ने कब्जा कर रखा था। कल हमने बुलडोजर भेजकर उस कब्जे को हटवाया है। यही इनका धंधा था। खेत बोता कोई और था, लेकिन फसल काटने ये लोग पहुंच जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गरीब को मुफ्त राशन व आवास की सुविधा मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत १5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है और गरीब के घर में रसीदें गैस का चूल्हा पहुंचा है।

छात्र बनकर आए और मचाया बवाल !कोलकाता

हिंसा मामले में 11 गिरफ्तार, 70 की पहचान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पुलिस ने शनिवार को 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां एक दिन पहले छात्रों और युवाओं के जुलूस के दौरान हुई अशांति के सिलसिले में की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कोई भी छात्र नहीं था और दो आरोपी दूसरे राज्य भागने की योजना बना रहे थे। उन्हें पश्चिम बर्धमान जिले के अंडाल से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल में कोलकाता पुलिस ने 24 जुलाई को कोलकाता में छात्रों की रैली के दौरान हुई हिंसा के मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल सीपी कुणाल अग्रवाल ने कहा, ‘कल हुई हिंसा और पत्रकारों पर हमलों के सिलसिले में कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो कल सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़-फोड़ में शामिल थे। ‘ गिरफ्तार किए गए 11 लोगों के नाम हैं- इरफान खुशीद (30), अरशद अली उर्फ साजिद (50), मो. मोइनुद्दीन (26), मो. आलमगार उर्फ राजू (48), इमरान अहमद उर्फ गोपी (19), खालिद

रजा उर्फ रिकू (47), जमीर अहमद उर्फ मिकू (42), मोहसिन खान (30), दीपक भीमिक उर्फ विक्की (38), मो. आजाद और मो. अफरोज। एडिशनल सीपी (क्राइम) कुणाल अग्रवाल ने बताया कि मो. आजाद और मो. अफरोज पश्चिम बंगाल से भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें अंडाल के पास दुर्गापुर एक्सप्रेसवे पर पकड़ लिया गया। मुख्यमंत्री सुबेंदु अधिकारी द्वारा अशांति फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देने के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद अफरोज नाम का एक आरोपी भी शामिल है। वह कोलकाता के मेतियाबूज के राजाबागन इलाके का निवासी है। पुलिस ने वीडियो फुटेज देखने के बाद उसकी पहचान कर ली। सी. शुक्लार से ही उसकी तलाश कर रही थी। आखिरकार, पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी युवक पश्चिम बर्धमान के अंडाल अली उर्फ साजिद (50), मो. मोइनुद्दीन (26), मो. आलमगार उर्फ राजू (48), इमरान अहमद उर्फ गोपी (19), खालिद

धनमंजुरी यूनिवर्सिटी (DMU), इंफाल ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा

हाउस के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MoU) साइन किया



स्वदेश प्रेम
दिल्ली : धनमंजुरी यूनिवर्सिटी (DMU), इंफाल ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MoU) साइन किया है। यह नेशनल लेवल पर एकेडमिक सहयोग को मजबूत करने और इंस्टीट्यूशनल एग्रेजमेंट को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यह MoU दिल्ली के मिरांडा हाउस कैम्पस में एक सेरेमनी के दौरान साइन किया गया। इस सेरेमनी में DMU के वाइस चांसलर, मिरांडा हाउस की प्रिंसिपल प्रो. विजयलक्ष्मी नंदा, DMU के रजिस्ट्रार, DMU के एक डीन, मिरांडा हाउस के बांटनी डिपार्टमेंट की डॉ. गीतांजलि एलंगबाग, फैकल्टी मेंबर, दोनों इंस्टीट्यूशन के अधिकारी और

मणिपुर सरकार के प्रतिनिधि मौजूद थे।

MoU के साथ, दोनों इंस्टीट्यूशन ने बांटनी रिसर्च, एनवायर्मेंटल स्टडीज और सस्टेनेबल प्रैक्टिस में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए DMU और मिरांडा हाउस के बांटनी डिपार्टमेंट के बीच एक लेटर ऑफ इंटेंट (LoI) भी एक्सचेंज किया। यह प्रपोजेड पार्टनरशिप इन एरिया में जाईंट

फोल्ड स्टडीज, रिसोर्स शेयरिंग और स्पेशल वर्कशॉप को सपोर्ट करेगी।

इंस्टीट्यूशनस के मुताबिक, इस कोलेबोरेशन का मकसद मणिपुर और नेशनल कैपिटल के बीच एकेडमिक कोऑपरेशन के लिए एक स्ट्रुक्चर्ड फ्रेमवर्क बनाना है। MoU में जाईंट एकेडमिक प्रोग्राम, फैकल्टी एक्सचेंज, स्टूडेंट मोबिलिटी और इंटरडिस्प्लिनरी

रिसर्च इनिशिएटिव शामिल हैं, साथ ही इनोवेशन, नॉलेज शेयरिंग और इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट के मौके भी बढ़ाए गए हैं। इस पार्टनरशिप से DMU की नेशनल एकेडमिक प्रेजेस मजबूत होने की उम्मीद है, क्योंकि इससे उसके स्टूडेंट्स और फैकल्टी को रिसर्च कोलेबोरेशन, एकेडमिक एक्सचेंज और कैपेसिटी बिल्डिंग के बड़े मौके मिलेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के इस मुकाम पर विवाद, नेशनल

कॉन्फ्रेंस ने माफी मांगने को कहा

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर यह आरोप लगा है कि उन्होंने आतंकवाद का हवाला देते हुए कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए बल प्रयोग या हिंसा को एक तरह से सही ठहराया है. इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है. दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने कथित तौर पर कहा था कि कश्मीर में आतंकवाद और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष की स्थिति होने के कारण वहां प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग कुछ हद तक समझ में आता है.

अपनी बेटी इल्टजा मुफ्ती के साथ नई दिल्ली में जंतर-मंतर गई मुफ्ती ने कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन देने के दौरान यह बात कही. हालांकि, उसी वीडियो क्लिप में मुफ्ती बिना हथियार वाले स्टूडेंट्स के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की बुराई करती दिख रही हैं. मुफ्ती ने कहा, ‘सिर्फ दिल्ली पुलिस ही नहीं, बल्कि दंगाई भी स्टूडेंट्स को पीटने में उनकी मदद कर रहे थे. हमने कश्मीर में कई सालों से यह देखा है, लेकिन वहां आतंकवाद है, जहां एक तरफ सुरक्षा बल हैं और दूसरी तरफ आतंकवादी हैं. इसलिए, यह कुछ हद तक समझ में आता है. लेकिन ये छात्र बिना हथियार के, अहिंसक थे और उनके पास कोई पत्थर नहीं था. फिर भी, दिल्ली पुलिस और दंगाई उन्हें बेहमी से पीट रहे थे. मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर जम्मू कश्मीर पार्टियों ने जम्मू कश्मीर को अलग राज्य बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन में शामिल होने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निमंत्रण को ठुकरा दिया था. 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन इस प्रदर्शन को नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने लीड किया.

एनसी नेता ने दूसरे राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन पर चूप रहने का आरोप लगाया, जबकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों के हक के लिए लड़ रही थी. तनवीर ने कहा, ‘यह दुख की बात है कि यहां बैठे कई राजनीतिक नेता अपने घरों से ट्यूटोर कर रहे थे।

सी.एम.सैनी सोनीपत में कुआं पूजन में शामिल हुए

मोहनलाल बड़ौली के पौत्र का था कार्यक्रम; नवजात को दिया आशीर्वाद



सोनीपत (एजेंसी)। सीएम नायब सिंह सैनी को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के परिवार में आयोजित कुआं पूजन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने परिवार के साथ मुलाकात कर नवजात शिशु को आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि परिवार में नवजात का आगमन खुशियों और नए जीवन की शुरुआत का

सौहार्द और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सीएम नायब सिंह सैनी ने पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर नवजात शिशु को आशीर्वाद दिया। उन्होंने शिशु के स्वस्थ, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पूरे परिवार को इस शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी भी उनके साथ उपस्थित रहीं। दोनों ने परिवार के सदस्यों से आत्मीय बातचीत कर उनकी खुशियों में सहभागिता निभाई और पारिवारिक माहौल में आयोजित समारोह का हिस्सा बने। समारोह में राई विधानसभा क्षेत्र की विधायक कृष्णा गहलावत, सोनीपत के विधायक निखिल मदान, खरखौदा के विधायक पवन खरखौदा, गन्नौर के विधायक



देवेंद्र कादियान, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ

आयोजन संपन्न कुआं पूजन समारोह पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुआ। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने श्री मोहनलाल बड़ौली एवं उनके

परिवार को शुभकामनाएं देते हुए नवजात शिशु के स्वस्थ, समृद्ध एवं सफल जीवन की मंगलकामना की। पूरे आयोजन में आत्मीयता, पारिवारिक सौहार्द और उत्सव का वातावरण देखने को मिला।

ट्रक-कार की टक्कर में 2 दोस्तों की मौत, तीसरा घायल

हरियाणा (एजेंसी)। झज्जर में ट्रक-कार की टक्कर में दो दोस्तों की मौत हो गई। इनका तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि जिस गाड़ी में युवक सवार थे, उसके परखच्चे उड़ गए। गाड़ी की खिड़कियां काटकर शवों को बाहर निकाला गया।



तीनों युवक झज्जर के भदानी गांव के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान मुकुल (18), निशांत (17) के रूप में हुई है। वहीं, घायल दीपक (18) का कुछ ही दिन पहले ही एयरफोर्स में क्लर्क के पद पर चयन हुआ था। 10 दिन बाद उसकी जॉइनिंग होनी थी। मुकुल मुकुल का भी एयरफोर्स का एग्जाम क्लियर हो गया था, अभी फाइनल मेरिट का वेट कर रहा था। दीपक और मुकुल, तीसरे साथी निशांत का एयरफोर्स का फॉर्म भरवाने के लिए झज्जर जा रहे थे। पुलिस लाइन के पास पहले पीछे से एक पिकअप ने इनकी गाड़ी में टक्कर मारी। तुरंत ही सामने से आ रहे एक ट्रक ने भी गाड़ी को उड़ा दिया।

पुलिस ने पिकअप ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मुकुल के शव का पोस्टमॉर्टम रोहतक पीजीआई और निशांत के शव का पोस्टमॉर्टम झज्जर में होगा। हादसा शनिवार दोपहर झज्जर-बहादुरगढ़ रोड पर पुलिस लाइन के पास हुआ। भदानी गांव के मुकुल, निशांत और दीपक आई-10 गाड़ी में सवार होकर जा रहे थे। पुलिस लाइन के पास पहुंचते ही गाड़ी को पीछे से एक पिकअप ने टक्कर मार दी। जैसे ही गाड़ी कुछ फीट आगे बढ़ी, सामने से आ रहे ट्रक ने उसे उड़ा दिया।

एक्सीडेंट में गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। बोनट का हिस्सा टूटकर कई फीट दूर जाकर झाड़ियों में गिरा। स्टेयरिंग टूटकर झड़विंग कर रहे युवक की छाती से चिपक गया। आसपास के लोगों ने तुरंत गाड़ी की

खिड़कियां काटकर युवकों को बाहर निकाला। तीनों को एम्बुलेंस से झज्जर के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान निशांत की मौत हो गई, जबकि गंभीर हालत को देखते हुए मुकुल को रोहतक पीजीआई रेफर किया गया, इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। तीसरे घायल को दीपक को झज्जर के एडवांटा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दीपक की हालत अभी खतरे से बाहर बनी हुई है। परिजनों का कहना है कि दीपक कुछ दिन बाद ही एयरफोर्स में क्लर्क के पद पर जॉइनिंग करने वाला था।

दीपक की 4 अगस्त को जॉइनिंग होनी थी। घर पर जॉइनिंग लेटर भी आ चुका था। पूरा परिवार बेटे के सिलेक्शन की खुशियां मना रहा था। दीपक के पिता आर्मी में हेड कॉन्टेन्बल थे। मार्च में ही उनकी रिटायरमेंट हुई थी। मृतक मुकुल ने एयरफोर्स के मेडिकल फोल्ड में एग्जाम दिया था। रिजल्ट की फाइनल मेरिट लिस्ट लगनी बाकी थी। तीसरा युवक निशांत भी एयरफोर्स की कांफिंग कर रहा था।

पिकअप ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज झज्जर थाना प्रभारी परमजीत ने बताया कि हादसे के बाद पिकअप ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। दोनों युवकों के शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

चेयरमैन पद पर नई नियुक्ति करते हुए मोहन लाल बड़ौली को मिली नई जिम्मेदारी

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (HBPI) के चेयरमैन पद पर नई नियुक्ति करते हुए मोहन लाल बड़ौली को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वित्त विभाग द्वारा 24 जुलाई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार राज्यपाल ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

यह नियुक्ति 18 अप्रैल 2024 को जारी पूर्व आदेशों का स्थान लेते हुए प्रभाव्य होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि चेयरमैन के पद से संबंधित सेवा शर्तें एवं अन्य नियम अलग से जारी किए जाएंगे। इस नियुक्ति को राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के संचालन और नीति निर्धारण के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।राज्यपाल ने दी



नियुक्ति को मंजूरी वित्त विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, हरियाणा के राज्यपाल ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज का चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 18 अप्रैल 2024 को जारी पूर्व आदेशों को निरस्त करते हुए की गई है।

यह अधिसूचना 24 जुलाई 2026 को चंडीगढ़ से हरियाणा सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी की गई। अधिसूचना पर हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अरुण कुमार गुप्ता के हस्ताक्षर हैं। इसके साथ ही विभाग ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए हैं।

पूर्व उपप्रधानमंत्री और जननायक चौधरी ताऊ देवीलाल का शिलालेख हटाने पर इनेलो का प्रदर्शन

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा के सोनीपत स्थित पुरखस अड्डा पर पूर्व उपप्रधानमंत्री और जननायक चौधरी ताऊ देवीलाल के नाम का शिलालेख अचानक हटाए जाने के बाद इनेलो ने प्रोटेस्ट किया। इनेलो नेताओं का कहना है कि न केवल स्थानीय जनभावनाओं को आहत किया है, बल्कि भाजपा सरकार और इनेलो के बीच एक बड़ा राजनीतिक टकराव भी खड़ा कर दिया है।इनेलो ने इस मुद्दे को सीधे तौर पर ताऊ देवीलाल की विरासत और प्रदेश की 36 विराटों के स्वाभिमान पर हमला बताते हुए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।इनेलो नेता कुनाल गहलावत और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से



ताऊ देवीलाल के शिलालेख को उसके मूल स्थान से हटा दिया। हालांकि, इस गंभीर आरोप की अब तक प्रशासनिक स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। स्थानीय लोगों को जैसे ही इस घटना का पता चला, उन्होंने तुरंत इनेलो कार्यकर्ताओं को सूचित किया। सूचना पर कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक निगम के कर्मचारी और

अधिकारी वहां से जा चुके थे।गुप्तगुप्त तरीके से कार्रवाई का आरोपइनेलो नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी कार्रवाई एक सोची-समझी रणनीति के तहत की गई। जिस समय नगर निगम की टीम पुरखस अड्डा पर शिलालेख हटा रही थी, ठीक उसी समय पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी पिछले दिन हुए छत्र प्रदर्शन के संबंध में उपायुक्त (DC) को ज्ञापन सौंपने

गए हुए थे। इनेलो का कहना है कि नेताओं की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर गुप्तगुप्त तरीके से इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पार्टी नेतृत्व ने इस घटना को केवल शिलालेख का मामला मानने से इनकार करते हुए इसे पूरे हरियाणा के गांव से जोड़ा है। नेताओं का कहना है कि ताऊ देवीलाल ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में किसान, मजदूर और हर वर्ग के हितों की रक्षा की तथा 36 विराटों को समान सम्मान दिया। ऐसे जननायक शिलालेख को इस तरह हटाना प्रदेश के हर नागरिक की भावनाओं और स्थापित को गहरी ठेस पहुंचाये जैसा है निगम आयुक्त से मुलाकात और निष्पक्ष जांच का आग्रहसम घटना के विरोध में इनेलो के जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम आयुक्त व अन्य अधिकारियों से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

हरियाणा- धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर युवाओं डांस

खट्टर बोले- छात्रों के लिए हर कुबानी देंगे; नारनौल-रेवाड़ी-कुरुक्षेत्र में कांग्रेस ने विजय मार्च निकाला



हरियाणा (एजेंसी)। NEET पेपर लोकेट मामले में देशभर में चल रहे स्टूडेंट्स के प्रदर्शन के बीच को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। इसका जश्न हरियाणा में भी देखने को मिला। हिसार के लघु सचिवालय में दिन तीन से धरना से दे रहे युवा प्रदीप भानखड़ ने अपना अनशन खत्म किया और ढोल पर नाचकर खुशी

मनाई। इस दौरान आसपास खड़े लोग भी खुशी से झूम उठे। प्रदीप भानखड़ ने कहा- यह जीत देश के युवाओं की जीत है। वहीं, करनाल में मीडिया से बातचीत के दौरान केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, ह्यूयावा ही देश की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनके लिए हमारे प्रधानमंत्री हों, शिक्षामंत्री हों या पीलेट और, जो भी कुबानी देनी पड़ेगी, वह देंगे। युवा देश की

तरक्की में अपना योगदान दें। यदि किसी एक परीक्षा में कोई कठिनाई आई भी है, तो उसका समाधान निकाल लिया गया था। उधर, कुरुक्षेत्र में कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा, मनावीप चट्टा और रेवाड़ी में पूर्व विधायक चिरंजीव राव के नेतृत्व में विजय मार्च निकाला गया। नारनौल में भी कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उठे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने

कहा- देर आए, दुरुस्त आए। भाजपा सरकार अगर पहले ही कदम उठा लेती तो पूरे देश में इतना नुकसान न होता। लगातार हो रहे पेपर लीक के कारण परीक्षाओं पर से युवा पीढ़ी का विश्वास उठ चुका है। इसलिए पूरे सिस्टम को बदलकर एक नया और पारदर्शी सिस्टम लाया जाना चाहिए, ताकि युवाओं में यह भरोसा जगें कि जो जितना काबिल होगा, उसे उतने ही नंबर मिलेंगे।सुरजवाला बोले- तानाशाही की एक्सपायरी डेट होती है शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजवाला ने कहा- "धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही भारत के युवाओं ने यह दिखा दिया है कि तानाशाही और निरंकुशता की भी एक एक्सपायरी



डेट होती है। Gen ने भी यह साबित कर दिया है कि न्याय की वेदी पर दमन और अत्याचार को आखिरकार घुटने टेकने ही पड़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी को अब छात्रों और उनके माता-पिता से माफ़ी मांगनी चाहिए। साथ ही, हमारे बच्चों को बेरहमी से पीटने के लिए पेलेट गन, इलेक्ट्रिक शॉक गन, कील लगे डंडों और आंसू

गैस के गोलों का इस्तेमाल करने वालों की जवाबदेही तय करनी चाहिए।"इनेलो अध्यक्ष अभय चौटाला ने फेसबुक पर लिखा- पहले किसानों ने झुकाया था और आज युवाओं ने भी झुका डाला। सत्ता चाहे कितनी भी ताकतवर होने का दावा करे, लेकिन जनता के संगठित संघर्ष के आगे उसका अहंकार टिक नहीं पाता।

संक्षिप्त डायरी कुरुक्षेत्र में ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, मौत

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। जिले के शाहाबाद के रावा गांव के पास हुए एक्सीडेंट आर्मी से रिटायर सैनिक के भाई की मौत हो गई। सामने आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। ट्रक उसे बाइक समेत काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। ड्राइवर ने ट्रक को ब्रेक मारकर रोकने की कोशिश भी की, लेकिन ट्रक का टायर ऊपर से निकल गया।इससे बाइक सवार 42 के साल के परिवर्द्ध सिंह उर्फ विक्की ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर के बाद ट्रक का अगला बंपर टूट बाइक के ऊपर गिर पड़ा। एक्सीडेंट को देखकर मौके पर मौजूद लोग भी सहम गए। विक्की हंबाला के जलूवी गांव का रहने वाला था। घटना सुबह करीब 5 बजे हुई।सुखबीर सिंह निवासी जलूवी ने बताया कि मैं पेट्रोल पंप का टैंकर चलाता हूं। मेरा चचेरा भाई परिवर्द्ध भी उसके साथ ही तेल टैंकर चलाता था। आज शनिवार सुबह करीब 5 बजे हम अपनी-अपनी बाइक पर गांव जलूवी से शाहाबाद के लिए अपनी ड्यूटी पर निकले थे। रावा गांव के पास परिवर्द्ध उससे थोड़ा आगे चल रहा था।110 सेंकेंड में चली गईं जान इसी दौरान शाहाबाद की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक (HR-583-0314) ने सीधे परिवर्द्ध की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक ट्रक के नीचे फंस गई और ड्राइवर बिना रुके उसे काफी दूर तक घसीटता चला गया। करीब 10 सेंकेंड के अंदर ही पूरा घटना हो गई।कुछ दूरी तक घसीटने के बाद ट्रक के आगे और पीछे के पहिए परिवर्द्ध के सिर और शरीर के ऊपर से निकल गए। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक को कुछ दूरी पर छोड़कर फरार हो गया। इस टक्कर से ट्रक का अगला लोहे का बंपर बाइक के ऊपर गिर पड़ा।परिवार को बुलाया अस्पतालउसने मौके पर मौजूद लोगों की मदद से एंबुलेंस को सूचना दी और परिवर्द्ध को किसी तरह उठाकर सिविल अस्पताल शाहाबाद लेकर आया। उसने तुरंत परिवार को अस्पताल में बुलाया, लेकिन यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिवार को सौंप दिया।परिवार का सहारा था विक्की परिवर्द्ध सिंह ड्राइवर की नौकरी से परिवार का पालन-पोषण करता था। परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। बेटी एंजल 7वीं और बेटा नवजोत चौथी क्लास में पढ़ते हैं। उसका बड़ा भाई मलकीत सिंह भारतीय सेना से सेवानिवृत्त है और अलग रहता है। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।



3 बच्चों के पिता ने युवती से की लव मैरिज



कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। कुरुक्षेत्र जिले में तीन बच्चों के बाप ने पहली शादी छिपाकर युवती से लव मैरिज कर ली। युवती के प्रेमेंट होने के बाद उसे आरोपी की सच्चाई का पता चली। इसके बाद युवती ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया। आरोपी ने खुद को अनमैरिड बताकर युवती को फंसाया था।कुरुक्षेत्र पुलिस को युवती ने बताया कि आरोपी उसके पड़ोस में काम करने के लिए आया था। यहां उनकी आपस में बातचीत होने लगी। इसी बीच उनके बीच अफेयर हो गया। इसके बाद आरोपी उसे अपने साथ दिल्ली लेकर आ गया। यहां आरोपी कृष्ण ने उसके साथ दिल्ली कोर्ट में लव मैरिज कर ली।शादी के बाद खुला राज युवती ने आरोप लगाया कि शादी से पहले आरोपी ने खुद को अनमैरिड बताया था। शादी के बाद आरोपी अपने साथ दिल्ली ले गया। जब वह करीब 7 महीने की प्रेमेंट थी, तब उसे पता चला कि उसका पति पहले से शादीशुदा है। उसकी पहली पत्नी से उसके पास तीन बच्चे हैं। बाद में आरोपी ने दावा किया कि उसका तलाक हो चुका है।शादी के करीब 1 साल बाद उसने बेटी को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद आरोपी उसे अपने घर नहीं लेकर गया। उसने लगातार आरोपी से ससुराल लेकर जाने की जिद की। ज्यादा जिद करने के बाद आरोपी उसे अपने घर ले आया। यहां आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। युवती ने बताया कि करीब तीन महीने पहले वह रसोई में काम कर रही थी। उसी दौरान आरोपी उसके पास आया और पैसे की डिमांड करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी बांह मरोड़ कर अपने घर से निकाल दिया। थाना सिटी पिहोवा के रूड सुनील वत्स ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज किया है और मामले की जांच चल रही है।

लोहे का गेट गिरने से 8 वर्षीय बच्चे की मौत



पानीपत(एजेंसी)। जिले में इसराना की धौला कॉलोनी में एक निर्माणधीन मकान का लोहे का गेट गिरने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बच्चा गेट पर झूल रहा था, तभी अचानक उसका कुंडा निकल गया और भारी गेट बच्चे पर आ गिरा। घटना के समय अन्य बच्चों ने शोर मचाया, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत गेट हटाकर बच्चे को पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।मृतक बच्चे की पहचान मध्य प्रदेश निवासी राममिलन के आठ वर्षीय बेटे अर्कित के रूप में हुई है। राममिलन अपने परिवार के साथ इसराना में दिहाड़ी मजदूरी करता है। उसके तीन बेटियां और एक बेटा अर्कित था। जिस मकान में यह हादसा हुआ, राममिलन उसी के एक कमरे में रहता था और वहीं मजदूरी भी करता था। मकान में मिस्त्री गेट तैयार कर रहे थे, जो पूरी तरह से सेट नहीं किया गया था। अर्कित आंगन में खेलते हुए गेट के पास आया और उस पर झूलने लगा।हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराया और बाद में परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में किसी भी पक्ष ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

सक्षिप्त समाचार

27 तक बदले रूट से चलेंगी राजधानी एक्सप्रेस

लखनऊ, एजेंसी। परिचालन संबंधी कारणों से रेलवे प्रशासन की ओर से दिल्ली से हावड़ा व मुंबई रूट की दर्जनभर ट्रेनें शुक्रवार को निरस्त की गईं। वहीं गाड़ी संख्या 12423 डिब्रुगढ़ नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को शुक्रवार से रविवार तक परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि यह ट्रेन डिब्रुगढ़, नाहरलागुन, रंगापारा नाथ, रंगिया, गुवाहाटी, न्यू बोनगाईगांव के रास्ते संचालित की जाएगी। वहीं 20503 डिब्रुगढ़ नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 25 व 26 को, 15903 डिब्रुगढ़ चंडीगढ़ एक्सप्रेस 27 जुलाई को, 12424 डिब्रुगढ़ नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 25 जुलाई को तथा 20504 नई दिल्ली डिब्रुगढ़ राजधानी एक्सप्रेस 25 को उपरोक्त रास्ते से चलाई जाएगी।

सरधना में आठ हजार वर्गमीटर अवैध कॉलोनी ध्वस्त की

मेरठ, एजेंसी। मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) ने शुक्रवार को सरधना क्षेत्र में कार्रवाई की। प्राधिकरण ने ग्राम मिलक स्थित गोल्डन एवेन्यू में विकसित अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। ये कॉलोनी दौराला-सरधना रोड पर करीब आठ हजार वर्गमीटर भूमि पर फैली थी कार्रवाई के दौरान कॉलोनी के भीतर बनी सड़कें, भूखंडों की बाउंड्रीवाल, नालियां व बिजली के खंभे भी तोड़ दिए। मेडा के प्रवर्तन अधिकारी पवन कुमार शर्मा ने बताया कि मोनू कश्यप द्वारा यह कॉलोनी बिना मानचित्र स्वीकृति के विकसित की जा रही थी। शुक्रवार को प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण ध्वस्त किया।

जिला स्तरीय अंपायरिंग व स्कोरिंग परीक्षा, आवेदन जमा करने का आज अंतिम मौका

कानपुर, एजेंसी। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) की ओर से आयोजित जिला स्तरीय अपायरिंग व स्कोरिंग परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि आज है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय के भीतर अपना आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। एसोसिएशन के अनुसार परीक्षा के आवेदन पत्र केसीए कार्यालय, वृत्तीगंज में उपलब्ध हैं। इच्छुक अपायर एवं स्कोरर सुबह 11:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षा में केवल कानपुर के स्थायी निवासी ही भाग लेने के पात्र होंगे। केसीए के अंतिमिक सचिव कोशल कुमार सिंह ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अंतिम तिथि का ध्यान रखते हुए आज ही अपने आवेदन पत्र जमा कर दें, ताकि परीक्षा में शामिल होने का अवसर प्राप्त कर सकें।

यौन शोषण पीड़िता के खुदकुशी की कोशिश के मामले में आठ पर प्राथमिकी दर्ज

मेरठ, एजेंसी। खरखौदा थाना क्षेत्र में यौन शोषण की शिकार हुई अनुसूचित जाति की युवती ने जहरीले पदार्थ खाकर खुदकुशी की कोशिश की थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अरमान और चार महिलाओं समेत आठ आरोपियों पर संगीन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी अरमान को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। पीड़िता के पिता ने खरखौदा थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में कहा है कि 20 जुलाई 2026 की शाम करीब 4:00 बजे अरमान की मामियां नमीना, खातून, समीना और सानिया उनके घर में जबरन घुस आईं। उन्होंने उनकी बेटी से गाली-गलौज की और मारपीट की। आरोपी महिलाओं ने परिवार को जान से मारने की धमकियां भी दीं। इससे आहत होकर उनकी बेटी ने 21 जुलाई को कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालात बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उसका उपचार चल रहा है। अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के अध्यक्ष सचिन सिरौही ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि परिजन ने पुलिस कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया है। होश आने पर पीड़िता ने परिजनों को बताया कि अरमान दिल्ली का रहने वाला है। वह करबे में अपने मामा के घर रहता है। अरमान के मामा महबूब, मोहसीन और दानिश की साजिश से उसका अरमान से मिलना-जुलना शुरू हुआ था। उस समय पीड़िता नाबालिग थी। चार साल तक आरोपी ने यौन शोषण किया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने शादी का झूठा सादर पत्र पीड़िता का यौन शोषण किया। आरोपी अरमान के परिजनों ने उसका रिश्ता कहीं और तय कर दिया। पीड़िता ने आरोपी की करतूत लोगों के सामने लाने के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की। इससे आरोपी की मामियां नाराज हो गईं और उसके घर पर पहुंचकर झगड़ा करने लगीं। पुलिस ने इस मामले में घर में जबरन घुसना, जानबूझकर अपमान करना, स्वेच्छ से चोट पहुंचाना, गंभीर धमकी देना, शादी का झूठा वादा कर संबंध बनाना और आपराधिक साजिश के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि इस मामले में खरखौदा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है, पीड़ित पक्ष की ओर से सूचना देते ही तुरंत प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

आधी रात को पुलिस टीम पर फायरिंग मुठभेड़ में दो शातिर घायल, एक को पुलिस ने पीछा कर दबोचा, ये सामान बरामद

कानपुर, एजेंसी। जालौन जिले में रामपुरा थाना पुलिस और एसओजी/सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में शुक्रवार-शनिवार की देर रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनका एक साथी पुलिस ने पीछा कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान, अवैध तमंचे, कारतूस, नकदी, चोरी के औजार और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया जा रहा था। शुक्रवार रात करीब 11 बजे मुखबिर् से सूचना मिली कि तीन सन्दिग्ध युवक पुरानी एचएफ डीलक्स बाइक से रामपुरा-निनावली रोड पर घूम रहे हैं। सूचना पर एसओजी/सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक रिकू चौधरी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर निनावली मार्ग पर घेराबंदी कर दी।

पुलिस टीम पर कर दी फायरिंग

करीब 11:45 बजे निनावली पुल की



ओर से आ रही मोटरसाइकिल को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश भागने लगे।

इसी दौरान एक आरोपी खेतों की ओर भागा, जिसे पुलिस ने पीछा कर दबोच लिया। वहीं बाइक पर सवार दो अन्य बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए। फायरिंग रुकने के बाद पुलिस ने तलाशी ली तो दोनों आरोपी घायल अवस्था में मिले।

तीनों पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं घायल बदमाशों की पहचान बुजेंद्र राजपूत निवासी बिलगांव पथरिया डेरा थाना जलालपुर, जनपद हमीरपुर तथा विवेक राजपूत उर्फ इक्का निवासी खड़ेही लोधन थाना मुस्कुरा, जनपद हमीरपुर के रूप में हुई। गिरफ्तार तीसरे आरोपी की पहचान सोनू यादव निवासी थाना चरखारी, जनपद महोबा के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार तीनों के विरुद्ध विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशों की अहवेलना कर रहे पुलिसकर्मी

गोवर्धन मुड़िया मेले में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी फोन चलाने में व्यस्त, श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

स्वदेश प्रेम

गोवर्धन : गोवर्धन में चल रहे मुड़िया पुनो मेले के दौरान ड्यूटी पर तैनात कुछ पुलिसकर्मियों के मोबाइल फोन चलाने के वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं कि भारी भीड़ के बीच पुलिसकर्मियों का पूरा ध्यान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर होना चाहिए। यदि ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरती जाती है, तो इससे किसी भी अग्रिय घटना की आशंका बढ़ सकती है। पुलिसकर्मी ड्यूटी पर कम फोन में ज्यादा ध्यान देते नजर आ रहे हैं

अधिकारियों इस मामले का



संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता करें ड्यूटी के दौरान बरतने के निर्देश दे

'विषमुक्त-नशामुक्त काशी' अभियान का आगाज,शास्त्रीय प्रमाणों के आधार पर कुप्रथाओं पर मंथन का आह्वान

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी:- काशी में सामाजिक एवं आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'विषमुक्त-नशामुक्त काशी' अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के तहत समाज में प्रचलित कुछ धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं को शास्त्रीय आधार पर समीक्षा करते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का आह्वान किया गया है। अभियान से जुड़े वक्ताओं का कहना है कि वर्तमान समय में युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति,मानसिक तनाव तथा वैचारिक पतन गंभीर सामाजिक चुनौती बन चुके हैं। उनका दावा है कि कुछ ऐसी प्रथाएं समाज में प्रचलित हो गई हैं जिन्हें वे शास्त्रसम्मत नहीं मानते। इन विषयों पर समाज के बीच प्रमाण सहित संवाद स्थापित कर जनजागरूकता बढ़ाने का प्रयास



किया जाएगा। वक्ताओं के अनुसार एक वर्ष पूर्व चिरईगांव ब्लॉक में किए गए अध्ययन में 50 प्रतिशत से अधिक वयस्कों में तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति सामने आई थी। उनका कहना है कि नशे से जुड़ी कुछ मान्यताओं को धार्मिक स्वरूप मिलने के कारण इनके प्रति समाज में भ्रम उत्पन्न हुआ है जिसे शास्त्रीय प्रमाणों के

माध्यम से दूर करने की आवश्यकता है। अभियान के तहत जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा की जाएगी, उनमें भगवान विश्वनाथ एवं विष्णुपान से जुड़ी धारणाएं,काशी के कोतवाल के रूप में कुत्ते से संबंधित मान्यता,वैष्णव परंपरा में तुलसी की अनिवार्यता तथा नवग्रह संबंधी मान्यताएं शामिल हैं। आयोजकों का

कहना है कि अभियान का उद्देश्य किसी की आस्था को ठेस पहुंचाना नहीं,बल्कि शास्त्रों के आधार पर संवाद स्थापित कर समाज को नशामुक्त, विषमुक्त और स्वस्थ दिशा में प्रेरित करना है। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों,विद्वानों एवं धर्माचार्यों से इस विषय पर सकरात्मक चर्चा और सहयोग का आह्वान किया।

शहर के ये पांच स्टेशन बनकर हो गए तैयार

अगले महीने से आईएसबीटी तक चलेगी ट्रेन



आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) के पहले कॉरिडोर के पांच और स्टेशन तैयार हो गए हैं। इन पर मेट्रो के हार्डस्पीड ट्रायल भी पूरे हो गए हैं। ऐसे में अगस्त में आईएसबीटी स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन चलेगी। इसी के साथ कानपुर मेट्रो ट्रेन का भी लोकार्पण होगा।

मेट्रो का पहला कॉरिडोर ताज पूर्वी से सिकंदरा तक बन रहा है। इसकी दूरी करीब 14 किमी है और इसमें 13 स्टेशन हैं। अभी ताज पूर्वी से मन:कामेश्वर स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन चल रही है। इसके आगे एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा कॉलेज, राजा मंडी और आरबीएस कॉलेज और आईएसबीटी स्टेशन बन गया है। आईएसबीटी स्टेशन पर फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। इन पांचों स्टेशनों पर मेट्रो के हार्डस्पीड ट्रायल भी पूरे हो गए हैं। इसके बनने से ताज पूर्वी से आईएसबीटी तक मेट्रो में सफर कर सकेंगे। एसएन में भी स्टेशन है। ऐसे ही राजामंडी स्टेशन को रेलवे स्टेशन से भी जोड़ दिया है। आईएसबीटी



स्टेशन से बस अड्डा भी जुड़ गया है। यूपीएमआरसी के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया के पहला कॉरिडोर के पांच स्टेशन तैयार हो चुके हैं। अगस्त में मेट्रो ट्रेन चलने की संभावना है। प्रधानमंत्री इसका लोकार्पण कर सकते हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से तिथि का इंतजार है। अगले महीने कानपुर और आगरा मेट्रो का एक साथ शुभारंभ होने की उम्मीद है।

जल संरक्षण कर मेट्रो के कार्यों में

उपयोग : यूपीएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो स्टेशन और पिलरों के पास वाटर हार्वैस्टिंग सिस्टम लगे हुए हैं। इससे लाखों लीटर पानी संरक्षित किया जा रहा है। यहां तक कि डिपो में बने इटीग्रेटेड सीवेज प्लांट और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए अपशिष्ट जल को उपचार कर ट्रेनों की धुलाई, डिपो में रखरखाव, बागवानी समेत अन्य कार्यों में उपयोग किया जा रहा है। स्टेशनों के नलों में भी ये व्यवस्था की है।

न्यायालय में विचाराधीन संपत्ति पर दबंगई से पार्किंग पर कब्जे का प्रयास,पीड़ित ने जान-माल की सुरक्षा की लगायी गुहार

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- नदेसर क्षेत्र के निवासी विकास श्रीवास्तव ने आरोप लगाया है कि नियमों के विपरीत दस्तावेजी हेरफेर कर उन्हें दुकान एवं पार्किंग बेची गई है। बाद में जानकारी हुई कि संबंधित भवन रक्षा सम्पदा क्षेत्र में स्थित है तथा उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार इस संपत्ति का क्रय,विक्रय प्रतिबंधित है। इस संबंध में उन्होंने संबंधित पक्ष के विरुद्ध न्यायालय में वाद दायर किया है जो वर्तमान में विचाराधीन है। विकास श्रीवास्तव का आरोप है कि न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद गुरुमानिक सिंह कोहली एवं उनके सहयोगी दबंगई के बल पर उनकी पार्किंग पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें एवं उनके परिवार को लगातार भय का माहौल बनाकर जान-माल की धमकी दी जा रही है। पीड़ित का कहना है कि वह एक दुकान संचालित कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं तथा कानून पर पूर्ण विश्वास रखते हैं। उनके



अनुसार संबंधित भवन का कर (टैक्स) वह स्वयं जमा करते आ रहे हैं और उनके हिस्से की संपत्ति पर उनका वैध अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुमानिक सिंह कोहली का उस भवन पर वैधानिक स्वामित्व नहीं है फिर भी वह अपने साथियों के साथ जबरन हस्तक्षेप करने का प्रयास कर रहे हैं। विकास श्रीवास्तव ने प्रशासन एवं पुलिस से मांग की है कि उनकी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए,उनकी पार्किंग एवं संपत्ति पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे के प्रयास को तत्काल रोक जाए तथा मामले में निष्पक्ष एवं विधिस्मत्त कार्रवाई की जाए।

बिस्किट का रैपर पढ़ें, तभी जानेंगे क्रीम खा रहे हैं या क्रेमे

गोरखपुर , एजेंसी। बाजार में बिकने वाले क्रीम बिस्किट को देखकर अक्सर लोग इसे दूध से बनी असली क्रीम वाला उत्पाद समझ लेते हैं लेकिन पैकेट पर लिखे एक शब्द से इसकी असलियत का पता चल सकता है। बिस्किट के पैकेट पर यदि क्रीम लिखा है तो इसका संबंध दूध से बनी क्रीम से होता है, जबकि क्रेमे लिखे होने पर यह जरूरी नहीं कि उसमें असली दूध की क्रीम मौजूद हो।

क्रेमे फिलिंग में आमतौर पर चीनी, वनस्पति तेल, परिष्कृत आटा, नमक, कृत्रिम स्वाद और विभिन्न प्रकार की वसा का इस्तेमाल किया जा सकता है। बाजार में कई नाम कर्पनियों के बिस्किट भी क्रेमे फिलिंग के नाम से बिक रहे हैं। देखने में यह बिस्किट क्रीम वाले ही नजर आते हैं लेकिन दोनों के बीच अंतर समझना जरूरी है। विशेषज्ञों के

अनुसार, क्रेमे फिलिंग वाले उत्पादों में यदि हाइड्रोजनीकृत या आंशिक रूप से हाइड्रोजनीकृत वनस्पति वसा का इस्तेमाल हुआ है तो उसमें हानिकारक वसा की मात्रा होने की आशंका रहती है। इसका अधिक सेवन शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

क्रीम और क्रेमे में अंतर समझिए

क्रीम : दूध से प्राप्त वसा से बनी होती है। इसमें दूध की क्रीम का इस्तेमाल होता है और यह डेयरी उत्पाद की श्रेणी में आता है।

क्रेमे : यह नाम अक्सर बिस्किट और अन्य भरावन वाले उत्पादों में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें चीनी, वनस्पति तेल, परिष्कृत आटा, कृत्रिम स्वाद और वसा का मिश्रण हो सकता है। इसमें असली दूध की क्रीम होना जरूरी नहीं है।



इन चीजों से तैयार फिलिंग स्वाद में मीठी और आकर्षक लगती है। इसमें पोषण की मात्रा कम और कैलोरी अधिक हो सकती है। ऐसे उत्पादों का लगातार और अधिक सेवन वजन, मोटापा और शरीर में वसा बढ़ने की समस्या को बढ़ा सकता है। यदि उत्पाद में हानिकारक वसा मौजूद है तो लंबे समय तक सेवन से हृदय के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

बोले चिकित्सक

ऐसे बिस्किट और अन्य पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का लगातार अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इनमें चीनी और वसा की मात्रा अधिक होने से वजन बढ़ने और मोटापे की समस्या हो सकती है। हानिकारक वसा के अधिक सेवन शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है, जिससे आगे चलकर हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे उत्पादों का सेवन

बच्चों को भी सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। मधुमेह, मोटापा और हृदय रोग से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

बोले अधिकारी

लोगों को खाद्य पदार्थ खरीदते समय जागरूक होने की जरूरत है। बाजार में बिक रहे सामान को पैकेट पर लिखी जानकारी देखकर ही खरीदें। असली और मिलावटी सामान से सावधान रहें। उपभोक्ताओं को केवल उत्पाद के नाम या आकर्षक पैकेजिंग देखकर सामान नहीं खरीदना चाहिए। बिस्किट खरीदने से पहले पैकेट पर लिखे क्रीम और क्रेमे के अंतर को समझें। केवल नाम देखकर नहीं बल्कि उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री पढ़कर ही खरीदारी करें।

डॉ.सुधीर सिंह, सहायक आयुक्त, खाद्य सुरक्षा



क्रिएटिव डिफरेंस के बाद आमिर ने छोड़ी अशनीर ग़ोवर की बायोपिक

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारत के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अशनीर ग़ोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अशनीर ग़ोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अशनीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं। आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अशनीर ग़ोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा



इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अशनीर ग़ोवर की पत्नी माधुरी जैन ग़ोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।



‘इश्कनामा’ के ‘नरक’ को शहनाज़ ग़िल ने दी अपनी आवाज़

इश्कनामा की रिलीज से पहले शहनाज़ ग़िल ने फैंस को एक ख़ूबसूरत सरप्राइज दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक ‘नरक’ को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्जन इस गाने में इमोशन की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज किए गए ‘नरक’ ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बर्णन करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ ग़िल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नजरिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज्बात साफ़ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्जन को लेकर शहनाज़ ग़िल ने

कहा, ‘‘नरक’’ ‘इश्कनामा’ के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्जन रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी ख़ूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूँ कि लोग मेरे इस वर्जन से भी जुड़ेंगे।’ शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब ‘नरक’ के इस कवर के साथ उन्होंने इश्कनामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है। निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्कनामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज़ ग़िल, जय रंधावा और सोरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंद एस. खेरा ने किया है। ‘नरक’ के अपने कवर वर्जन के साथ शहनाज़ ग़िल ने फैंस को इश्कनामा की इमोशनल दुनिया की एक और ख़ूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।



तुषार कपूर ने प्रकाश झा की ‘जनादेश’ को बताया समाज का आईना

तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म ‘जनादेश’ को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म ‘जनादेश’ के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, ‘फिल्म ‘जनादेश’ देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।’ तुषार ने आगे कहा, ‘हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।’ फिल्म ‘जनादेश’ के निर्देशक प्रकाश झा हैं, जो इससे पहले ‘राजनीति’,

‘आरक्षण’, ‘सत्याग्रह’ जैसी बेहतरीन फिल्मों और ‘आश्रम’ जैसी सुपरहिट वेब सीरीज बना चुके हैं। ‘जनादेश’ में तुषार कपूर के साथ इस फिल्म में शेखर सुमन, राहुल बोस, प्रमति श्रीवास्तव और इश्वक सिंह जैसे मझे हुए कलाकार दिखाई देंगे।

‘गोलमाल 5’ में भी दिखेंगे तुषार

‘जनादेश’ के अलावा तुषार कपूर जल्द ही रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म ‘गोलमाल 5’ में भी नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल मार्च में शुरू हो चुकी है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी, श्रेयस, कृष्ण खेमू और शरमन जोशी जैसे कई बड़े सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं।

अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी है

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज ‘मुसाफिर कैफे’ को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। खास बातचीत में महिमा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे। अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।’ महिमा ने कहा, ‘मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और

शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।’ काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ‘अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।’ उन्होंने कहा, ‘किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।’ वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही ‘मुसाफिर कैफे’ में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विकास मेसी और वैदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।



बार बड़े पर्दे पर देखा उनको लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, ‘एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।’ डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतनी ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूँ कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया।

कॉमेडी-थ्रिलर ‘एमआरपी’ से किया डोनल बिष्ट ने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म ‘एमआरपी’ से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली

ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है

अब्दुल कपूर उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिप्लेटी थो ‘अंताथरी’ में होस्ट रहे हों या ‘विकी डोनर’ और ‘ड्रीम गर्ल’ में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज़ में जंचते हैं। फिल्मों दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अब्दुल कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे मायघ में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई ‘विकी डोनर’ में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अब्दुल मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्मों ज्यादा करती है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, ‘नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रेजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा सौ सालों में सिर्फ दो कॉमेडी फिल्म को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टरों ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका

नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टरों में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।’ करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अन्नु ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रोटियां खा गए थे। बकौल अन्नु, ‘अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेपयूजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेपयूजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रोटियां खा गया था। उस दिन 23 रोटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नल्लू स्वीट्स से छिले का कुल्हड़ और दाल फ्राई खा के मैं मस्त हाथों की तरह चलता हुआ पैदल अपने होस्टल पहुंचा, क्योंकि अब अंटी का किराया नहीं बचा था। होस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।’ अन्नु जल्द अपनी नई फिल्म ‘उत्तर दा पुतर’ में

नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हाँ किया, तो उन्होंने जवाब दिया, ‘इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता

चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी है कि आप अच्छे कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट किएपटर्स हो गए हैं। तो यह कॉम्पटीशन पूरे समाज के लिए बहुत अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छे कॉन्टेंट लेकर आएंगे।’

मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अन्नु से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, ‘मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूँ। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक शमशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की शानिनी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगों का सहारा लेकर क्यों आऊँ। इतना कमजोर क्यों बनूँ? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।’



संपादकीय

सड़क दुर्घटनाएँ: व्यक्तिगत लापरवाही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुशासन की चुनौती

भारत आज विश्व में सड़क दुर्घटनाओं से सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024 में लगभग 1.77 लाख लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई। यह संख्या किसी प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। प्रत्येक दिन सैकड़ों परिवार अपने किसी प्रियजन को खो देते हैं, हजारों लोग स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाते हैं और देश को उत्पादक मानव संसाधन तथा अरबों रुपये की आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। इसलिए सड़क दुर्घटनाओं को केवल चालक की लापरवाही, तेज गति या यातायात नियमों के उल्लंघन तक सीमित करके



सम्पादक
शान मोहम्मद

देखना वास्तविक समस्या से आँखें मूँदने जैसा है। यह वस्तुतः सार्वजनिक स्वास्थ्य, सड़क अवसंरचना, कानून प्रवर्तन, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं तथा प्रशासनिक समन्वय की व्यापक विफलता का परिणाम है।

सड़क सुरक्षा का प्रश्न सीधे नागरिकों के जीवन के अधिकार से जुड़ा है, जिसकी गारंटी भारतीय संविधान का अनुच्छेद-21 देता है। यदि कोई नागरिक सुरक्षित रूप से सड़क पर चल भी नहीं सकता, तो यह केवल उसकी व्यक्तिगत असावधानी नहीं, बल्कि राज्य की जिम्मेदारी और शासन व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक मामलों में सरकारों को सुरक्षित सड़क अवसंरचना, वैज्ञानिक सड़क निर्माण तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

भारत में अधिकांश दुर्घटनाओं के पीछे सड़कों की खराब इंजीनियरिंग एक प्रमुख कारण है। अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर ब्लैक स्पाट, अपर्याप्त सकेतक, टूटी हुई सड़कें, अवैज्ञानिक मोड़, प्रकाश व्यवस्था का अभाव तथा पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग न होना दुर्घटनाओं को आमंत्रित करता है। शहरों में फुटपाथों पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग तथा अनियोजित यातायात व्यवस्था भी दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ाती है। सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी अंततः आम नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ती है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन का अभाव है। मोटर वाहन अधिनियम में कठोर दंड का प्रावधान होने के बावजूद तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करना तथा ओवरलोडिंग जैसी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं। कई स्थानों पर यातायात नियमों का पालन केवल पुलिस की उपस्थिति तक सीमित रहता है। यदि निगरानी व्यवस्था तकनीक आधारित और पारदर्शी हो, तो नियमों का पालन स्वतः बढ़ सकता है।

सड़क दुर्घटनाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य संकेत इसलिए भी माना जाता है क्योंकि दुर्घटना के बाद समय पर उपचार उपलब्ध न होना बड़ी संख्या में मौतों का कारण बनता है। स्वर्णिम घंटा के दौरान यदि पीड़ित को उचित चिकित्सा सहायता मिल जाए तो अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं, किंतु ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में एंबुलेंस सेवाओं की कमी, ट्रामा सेंटरों का अभाव तथा अस्पतालों तक पहुँचने में देरी के कारण स्थिति गंभीर हो जाती है। कई बार पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय की कमी भी राहत कार्यों को प्रभावित करती है। प्रशासनिक स्तर पर भी सड़क सुरक्षा अनेक विभागों में विभाजित उत्तरदायित्व का विषय है। सड़क निर्माण एक विभाग करता है, यातायात नियंत्रण पुलिस के पास होता है, स्वास्थ्य सेवाएँ किसी अन्य विभाग के अधीन होती हैं और स्थानीय निकायों की अपनी अलग भूमिका होती है। इस विखंडित व्यवस्था के कारण दुर्घटना रोकथाम के लिए समन्वित रणनीति विकसित नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप जवाबदेही भी स्पष्ट नहीं रहती।

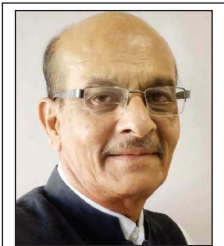
सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सबसे पहले सड़कों की इंजीनियरिंग को वैज्ञानिक और सुरक्षित बनाना आवश्यक है। प्रत्येक सड़क परियोजना में सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाए तथा दुर्घटना संभावित स्थानों की शीघ्र पहचान कर उनका सुधार किया जाए। पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को भी सड़क डिजाइन का अभिन्न भाग बनाया जाना चाहिए।

यातायात नियमों के पालन हेतु तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्वचालित स्पीड कैमरे, सीसीटीवी नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यातायात प्रबंधन तथा ई-चालान प्रणाली प्रभावी उपकरण को कम करने के साथ-साथ नियमों के पालन को भी बढ़ावा देती। बार-बार नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस निलंबित करने तथा कठोर दंड लागू करने की आवश्यकता है।

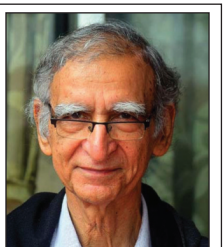
आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करना भी अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर निश्चित दूरी पर आधुनिक ट्रामा सेंटर स्थापित किए जाएँ, एंबुलेंस सेवाओं का विस्तार किया जाए तथा सभी अस्पतालों को दुर्घटना पीड़ितों का तत्काल उपचार सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया जाए। 'गुड स्मैरिटन' दिशा-निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन भी आवश्यक है, ताकि घायल व्यक्ति की सहायता करने वाले नागरिक किसी कानूनी परेशानी के भय से पीछे न हटें।

सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं बल्कि सामाजिक व्यवहार का भी प्रश्न है। विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक सड़क सुरक्षा शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से नागरिकों में जिम्मेदार वाहन संचालन की संस्कृति विकसित की जानी चाहिए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इसीफा हो चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष इसे अपनी सबसे बड़ी जीत बता रहा है। पिछले 12 साल की मोदी सरकार के दौरान जितने भी आंदोलन हुए हैं, उन आंदोलनों में निश्चित रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के बेनर तले हुआ आंदोलन प्रभावी रहा, प्रदर्शनकारियों को भारी जीत मिली है। युवाओं के मन से डर और भय पूरी तरह से बाहर निकल गया है। वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए स्वयं तैयार हो गए हैं। नेतृत्व तो एक मुछौटा है। इस सत्य को युवा शक्ति, सरकार और विपक्ष को स्वीकार करना होगा। कॉकरोच जनता पार्टी का जो नेतृत्व कर रहे हैं, ना तो उनकी कोई पहचान है, नाही उनकी कोई विश्वसनीयता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी जिसमें उन्होंने युवा बेरोजगारों को फर्जी डिग्री धारी मानकर उन्हें कॉकरोच कह दिया था। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया करोड़ों युवाओं में हुई है। 30 करोड़ से ज्यादा युवा जो कई साल पहले स्नातक- परास्नातक और प्रोफेशनल कोर्स की डिग्रियां लेकर सड़कों पर बेरोजगार के रूप में घूम



सनत जैन



राम पुनियांनी

इन दिनों उत्तरप्रदेश के रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार पर धरना जारी है। समाजवादी पार्टी के सदस्य आजम खान, जो वर्तमान में जेल में हैं, इस विश्वविद्यालय का संचालन करने वाले न्यास के अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रामपुर विकास प्राधिकरण के उस नोटिस के खिलाफ धरना दे रहे हैं जिसमें विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को दह्राए जाने का आदेश दिया गया है। ऐसा करना विश्वविद्यालय को बंद कर देने जैसा होगा। इंडियन एक्सप्रेस (20 जुलाई 2026) के अनुसार विश्वविद्यालय की विधि सभाय की एक छात्रा महरोजा खान ने कहा, 'हमारा करियर और भविष्य दांव पर लगा है। हमने धरने पर बैठने का फैसला इसलिए किया क्योंकि हम चाहते हैं कि सरकार विश्वविद्यालय के भवनों को दहाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। हम कहीं और अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पाएंगे, विशेषकर बहुत दूर के कालेजों में। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां हमें विभिन्न शूल्कों में छूट मिलती है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को 50 प्रतिशत छूट मिलती है। जिन छात्रों के छात्रा-पिता का देहांत हो चुका है उन्हें भी छूट मिलती है। यहां की. फार्मा और डी. फार्मा जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिनकी पढ़ाई हममें से बहुत से छात्र अन्य संस्थानों में नहीं कर पाएंगे।'

रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का शिलान्यास 18 सितंबर 2006 को हुआ था। इसे मोहम्मद अली जौहर न्यास ने कई सालों में धीरे-धीरे विकसित किया। हालांकि इसमें विभिन्न निर्माण कार्य



रहे हैं। उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिल रही थी। सहानुभूति के स्थान पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच कह दिया गया। जब वह अपनी मांग को लेकर सड़कों पर उतरते थे, तब उन पर सरकार द्वारा लाटियां बरसाई जाती थीं, सरकार द्वारा उनके ऊपर मुकदमे दर्ज कर उन्हें डरा और धमकाकर चुप करा दिया जाता था। मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी ने पढ़े लिखे डिग्री धारी बेरोजगारों की समस्याओं का समाधान करने के स्थान पर उस आग में घी डालने का काम किया था। यह आग अब बुरी तरह से सारे देश में फैल चुकी है। इन्हें एक नेतृत्व की जरूरत थी, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से सोशल मीडिया पर प्लेटफार्म मिला। देशभर के सारे युवा अपने भविष्य की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर आए। इसमें जंतर-मंतर और कॉकरोच पार्टी एक संयोग के रूप में सामने आई है।

12 साल में मोदी सरकार के लिए यह सबसे बड़ी पराजय है। सरकार के अंदर भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंतरिक संगठन में इसकी

बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी इसका असर होना तय है। अभी तक जो लोग डरे हुए थे, उनका डर और भय इस आंदोलन के बाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। केवल युवा ही नहीं अन्य वर्ग के लोग भी अब सरकार के बारे में यह कहा जाता है, वह अपने अपमान को कभी भूलते नहीं है। समय आने पर तигुने वेग के साथ हमला कर सामने वाले को पूरी तरह से नरेस्त-नाबूत कर देते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका ताजा उदाहरण हैं। नीतीश कुमार भी अब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहे। उनकी पार्टी और उनका भविष्य अब भाजपा के रहमों करम पर है। ऐसी स्थिति में लोगों को आशंका है, आंदोलन खत्म होने के बाद सरकार जल्द ही बदले की कोई कार्रवाई करेगी।

इमारतें ढहाने से कमजोर होता है देश

कब हुए यह कानूनी एवं प्रशासनिक विवाद का विषय बन गया है।

रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अनुसार जहां विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय और एक प्रशासनिक खंड का निर्माण विधिवत अनुमतियां एवं स्वीकृतियां हासिल करने के बाद ही किया गया है, वहीं परिसर में स्थित 38 अन्य भवनों का निर्माण सक्षम शासकीय कार्यालयों की अनिवार्य अनुमतियां हासिल किए बगैर कर लिया गया। विश्वविद्यालय का कहना है कि इन भवनों का निर्माण वर्षों पहले किया गया था - उस समय जब यह स्थान (सिंगनखेड़ा गांव) आरडीए के क्षेत्राधिकार में नहीं था - और इन निर्माणों की अनुमति स्थानीय जिला पंचायत से ली गई थी।

आरडीए के अनुसार बगैर अनुमोदन के किए गए इन निर्माणों और भूमि उपयोग के कथित उल्लंघनों के चलते उसने इन 38 भवनों को हटाए जाने या दह्राए जाने का आदेश दिया। विद्यार्थियों और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं/राजनीतिज्ञों ने निवेदन किया कि विश्वविद्यालय के भवनों को दहया जाना अनुचित होगा क्योंकि विश्वविद्यालय विभिन्न वर्गों के छात्रों की अमूल्य सेवा कर रहा है, विशेषकर मुस्लिम और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की। उन्होंने दावा किया कि सरकार का मुख्य ध्येय मुसलमानों को शिक्षा से वंचित करना है। वैसे शिक्षा उन प्रमुख मुद्दों में से एक है जिनके प्रति मौजूदा सरकार का उपेक्षापूर्ण रवैया रहा है, जैसा कि इन दिनों चल रही युवाओं एवं विद्यार्थियों की आक्रोश की लहर से पता चलता है। जहां तक अल्पसंख्यकों की शिक्षा की बात है, उसकी राह में तो और अधिक बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। दूसरा पहलू है मुस्लिम पहचान वाले भवनों और ढांचों को तोड़ना। जौहर विश्वविद्यालय की इमारतों को दहया जाना इस सिलसिले की नवीनतम कड़ी है। काशी, मथुरा, संभल, अजमेर दरगाह और सहारनपुर की मस्जिद आदि वेटिंग लिस्ट में हैं। हाल में हमने देखा कि मध्यप्रदेश में स्थित कमाल मौला मस्जिद इस आधार पर हिन्दुओं को सौंप दी गई कि यह वादेवी का मंदिर है। कई अन्य मस्जिदें बाबरी मस्जिद की तर्ज पर निशाने पर हैं। इन पर दावा करने के लिए रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान अपनाई गई रणनीति

ही दुहराई जा रही है। मध्यकालीन इतिहास का दुरुपयोग राजनैतिक और साम्प्रदायिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा रहा है। मस्जिदों और इसी तरह के अन्य विवाद इन कुतकों पर आधारित हैं कि मध्यकाल में मंदिरों को तोड़कर उसी स्थान पर मस्जिदों का निर्माण किया गया था। ये दावे अक्सर इतिहास की बड़ा-चढ़ाकर की गई या विकृत व्याख्या पर आधारित होते हैं जिनमें औपनिवेशिक काल की टीका-टिप्पणियों का हवाला दिया जाता है। इस तरह के दावे 'उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991' के प्रावधानों के एकदम खिलाफ होते हैं जो बाबरी मस्जिद के अलावा सभी उपासना स्थलों के भागलों में 15 अगस्त 1947 की स्थिति बनाए रखने की बात करता है।

इस सिलसिले की शुरुआत हिन्दू दक्षिणपंथियों के बाबरी मस्जिद को ढहाने में सफलता हासिल करने के साथ हुई, जिसके संबंध में यह दावा था कि बाबर ने राममंदिर तुड़वाकर उसकी जगह मस्जिद का निर्माण करवाया था। इसके बावजूद कि न्यायालय का फैसला दक्षिणपंथियों की नजरों में प्रतिकूल कब्जे का कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता। इसलिए वेन केन प्रकरणे मुस्लिमों के निर्माणों को गैरकानूनी साबित करके उन्हें तुड़वाने का प्रयास निरंतर जारी रहता है। बुलडोजरों का मनमाना उपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में अपनी लोकप्रियता बढ़ाना, मुसलमानों को अलग-थलग करने का एक अन्य तरीका है। लगता है तोड़फोड़ करना उनका ह्वालापुर्निमाण का तरीका है। भवनों को इस तरह गिराए जाने से समाज की संपदा की कितनी जबरदस्त हानि होती है, इसकी आरएसएस-भाजपा को रती भर परवाह नहीं है। आजादी के बाद राष्ट्रनिर्माण के मायने बिल्कुल अलग थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री का नजरिया था कि आईआईटी, एस्सि, सार्वजनिक क्षेत्र के कर्न-कारखानों और सिविल सेवाओं की सुविधाओं के निर्माण की अधोसंरचना बनाकर ही हम देश में व्याप्त अभावों से कुछ हद तक छुटकारा पा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ ही हमारा रास्ता बदल गया है और अब हम मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने और मुस्लिमों के निर्माणों को गैर-कानूनी साबित करने में जुटे हुए हैं जिससे एक पार्टी को राजनीतिक लाभ मिलता है और समाज में ध्रुवीकरण और नफरत बढ़ती है।

क्या हमें सद्वृद्धि आणगी? क्या हम दुबारा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर चलना शुरू करेंगे? क्या हम बुलडोजर कार्रवाहियों और छोटी-मोटी बातों को तूल देकर मुसलमानों के निर्माणों के गैरकानूनी होने के दावे करने से बाज आएंगे? (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम



तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतृगण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियां से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर। देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्युतिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाक्या स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें

इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे। भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिए? या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत की भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है

किसान आंदोलन खत्म करने के समय जो वादे सरकार ने किये थे, वह आज तक पूरे नहीं हुए। किसान संगठन एक बार फिर सड़कों में आने की तैयारी कर रहे है। कॉकरोच जनता पार्टी का जो शीर्ष नेतृत्व है, वह जिस तरह से जीत का जश्न मना रहा है, भाजपा को लग रहा है, वह कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से युवाओं को जैसा चाहेंगी वैसा नचा सकती है। यह भविष्य में संभव नहीं होगा। युवाओं के बीच विस्वसनीयता के साथ राहुल गांधी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अन्ना आंदोलन के बाद मोदी सरकार का बनना, केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी का इतिहास सारे देश के सामने है। मोदी सरकार में जो सबसे ज्यादा भ्रष्ट था, जिसे किसी भी कारण से सरकार को उसके पद से हटाना पड़ा। उसके बाद उसे मोदी सरकार ने पुरस्कृत ही किया है। मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से यही करती आ रही है। धर्मेन्द्र प्रधान को वह किस रूप से पुरस्कृत करेगी, यह अभी से चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। दोनों ही पक्षों को जय और पराजय से बाहर निकलकर युवाओं और देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे आना होगा। सरकार को विपक्ष के साथ भी चर्चा करके आम सहमति बनानी होगी। परिस्थितियाँ अब पूरी तरह से बदल गई हैं। सब अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। अस्तित्व की लड़ाई में जंगल का कानून लागू होता है। इसमें या तो शिकार मरता है या शिकारी मरता है। युवाओं के इस आंदोलन ने अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिला दी है। उस समय भी देश का युवा आजादी की लड़ाई में बिना डर-भय के सड़कों पर आ गया था।

आया है। इस प्रस्तावित तोड़फोड़ से एक अतिरिक्त उद्देश्य की पूर्ति होगी- वह है मुसलमानों को बदनाम करना और उसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा से महरूम करना, जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है।

इसी तर्ज पर सहारनपुर की एक बहुत पुरानी छोटी सी मस्जिद को भी नोटिस जारी कर इस आधार पर हटाए जाने को कहा गया है कि उसके निर्माण के लिए जितनी अनुमतियां ली जानी थीं, वे नहीं लीं गईं। हिन्दू दक्षिणपंथियों की नजरों में प्रतिकूल कब्जे का कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता। इसलिए वेन केन प्रकरणे मुस्लिमों के निर्माणों को गैरकानूनी साबित करके उन्हें तुड़वाने का प्रयास निरंतर जारी रहता है। बुलडोजरों का मनमाना उपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में अपनी लोकप्रियता बढ़ाना, मुसलमानों को अलग-थलग करने का एक अन्य तरीका है। लगता है तोड़फोड़ करना उनका ह्वालापुर्निमाण का तरीका है। भवनों को इस तरह गिराए जाने से समाज की संपदा की कितनी जबरदस्त हानि होती है, इसकी आरएसएस-भाजपा को रती भर परवाह नहीं है। आजादी के बाद राष्ट्रनिर्माण के मायने बिल्कुल अलग थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री का नजरिया था कि आईआईटी, एस्सि, सार्वजनिक क्षेत्र के कर्न-कारखानों और सिविल सेवाओं की सुविधाओं के निर्माण की अधोसंरचना बनाकर ही हम देश में व्याप्त अभावों से कुछ हद तक छुटकारा पा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ ही हमारा रास्ता बदल गया है और अब हम मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने और मुस्लिमों के निर्माणों को गैर-कानूनी साबित करने में जुटे हुए हैं जिससे एक पार्टी को राजनीतिक लाभ मिलता है और समाज में ध्रुवीकरण और नफरत बढ़ती है।

क्या हमें सद्वृद्धि आणगी? क्या हम दुबारा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर चलना शुरू करेंगे? क्या हम बुलडोजर कार्रवाहियों और छोटी-मोटी बातों को तूल देकर मुसलमानों के निर्माणों के गैरकानूनी होने के दावे करने से बाज आएंगे? (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फर्मेशन, फोरकार्सिटी एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लाग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महा-विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

स्वदेश प्रेम

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सूचना

विज्ञापनों में किए गए किसी भी दावे का 'स्वदेश प्रेम' दैनिक समाचार पत्र समर्थन नहीं करता है। पाठक स्वयं जांच-पराख अवश्य करें।

यदि आप किसी विषय में रुचि रखते हैं और लिखने के इच्छुक हैं, तो आप अपनी रुचि से संबंधित आलेख हमें भेज सकते हैं। यदि आपका आलेख 'स्वदेश प्रेम' में प्रकाशन योग्य हुआ, तो उसे जरूर प्रकाशित किया जाएगा।

कृपया सूचनात्मक, सकारात्मक एवं तथ्यात्मक आलेख ही भेजें।

Svadeshprem0@gmail.com | www.svadeshprem.com

प्रिय पाठकों,

यदि आप 'दैनिक स्वदेश प्रेम' में अपना जन्मदिन संदेश प्रकाशित करवाना चाहते हैं, तो अपना फोटो, उम्र व नाम हमें हमारी ईमेल पर या हमारे व्हाट्सएप नंबर पर भेजें।

Svadeshprem@gmail.com | www.svadeshprem.com

व्हाट्सएप/फोन नंबर

संपर्क के लिए

संपर्क सूत्र (Landline): +91 11-47012271

मोबाइल (Mobile): 9810993893

Email: Svadeshprem0@gmail.com

Web: www.svadeshprem.com

"स्वदेश प्रेम" में प्रकाशित लेखों में व्याप्त किए गए विचारों से प्रकाशक एवं संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। ये लेखकों के स्वयं के दृष्टिकोण हैं।

पत्र में प्रकाशित किसी भी रचना व लेख का किसी भी तरह का पारिभाषिक सहकार्य नहीं देना चाहेंगे।

स्वामी, मुद्रक, एवं प्रकाशक शान मोहम्मद द्वारा 'स्वदेश प्रेम' समाचार पत्र के लिए प्रकाशित एवं मुद्रित।

दुनिया के दुर्लभ फूल

स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस

हल्के हरे रंग का स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस एक तरह की लता है। पंजे के आकार वाले इसके फूल फिरोजी रंग के होते हैं। हालांकि इसका रंग नीले हरे से लेकर चटक हरे तक भी हो सकता है। ये फूल फिलीपींस के जंगलों में पाए जाते हैं और कटाई के कारण खतरे में हैं।



हिबिस्कस कोकियो

शू प्लॉवर की ये प्रजाति, सिर्फ हवाई में मिलती है। 1950 में इसे विलुप्त घोषित कर दिया गया था। 20 साल बाद कोकियो का एक पेड़ मिला। लाल से नारंगी रंग के फूलों वाला ये पौधा एक आगजनी में खत्म हो जाता, लेकिन इसकी एक डाली बचा ली गई और इसे 23 अन्य पौधों में ग्राफ्ट किया गया।



एपिफाइलम ऑक्सीपेटालम

ये फूल श्रीलंका के जंगलों में होता है और बौद्ध धर्म में इसका खासा महत्व है। इस फूल की खासियत है कि यह सिर्फ रात में खिलता है और सुबह होने से पहले ही मुरझा जाता है।



डेंड्रोफिलैक्स लिडेनी

क्यूबा और प्लोरिडा के जंगलों में पाए जाने वाले इस फूल को भूतहा ऑर्किड का नाम दिया गया है। इसे 20 साल पहले ही विलुप्त घोषित कर दिया गया था। इसमें पत्तियां नहीं होती। इसकी जड़ें प्रकाश संश्लेषण कर फूल को पोषण देती हैं। इस फूल का परागण सिर्फ जोयंट स्प्रिंकल्स नाम की तितली कर सकती है।

साइप्रिपेडियम कैलकेलस

कभी ये जंगली ऑर्किड पूरे यूरोप में मिलता था। लेकिन अब यह सिर्फ ब्रिटेन में होता है। पीले और जामुनी से रंग वाला ये फूल अब इतना दुर्लभ है कि इसकी एक डाली पांच हजार अमेरिकी डॉलर में मिल सकती है।



कॉस्मॉस एट्रोसैनिनियस

ये मेक्सिको के जंगली फूल हैं। 100 साल पहले ही ये विलुप्त हो गए थे। सिर्फ एक प्रजाति का क्लोन 1902 में बनाया गया। ये फूल गर्मियों में वैनिता जैसी खुशबू देते हैं। इन्हें चॉकलेट कॉस्मॉस भी कहा जाता है।



एमोर्फॉफैलस टाइटैनम

दुनिया का सबसे खूबसूरत और सबसे दुर्लभ यह फूल इंडोनेशिया में पाया जाता है। एक हफ्ते तक खिलने वाला यह फूल सड़े हुए जानवर जैसी बदबू फैलाता है। खिलने के बाद इसकी ऊंचाई तीन मीटर तक हो सकती है। सात आठ साल बाद यह फूल पहली बार खिलता है।



समझदार किट्टू

किट्टू खरगोश, बिट्टू बन्दर, टीटू हाथी और मीकू मेढक चारों पक्के दोस्त थे। सभी एक साथ ही स्कूल जाते और एक साथ ही स्कूल से लौटते। साथ घूमना-फिरना, एक साथ रिसेज में खाना खाना और घर जाने के बाद होमवर्क भी साथ ही करना। ये उनका रोज का रूटीन था। वैसे तो सारा समय साथ ही बिताते, लेकिन पढ़ने के समय शरारतें करते। इनमें बिट्टू बन्दर का ध्यान पढ़ाई में कम ही लग पाता था। लेकिन शरारतों में सबसे आगे रहता। चारों दोस्तों में किट्टू खरगोश सबसे इंटेलिजेंट था। क्लास में जब भी कोई प्रश्न पूछा जाता, सबसे पहले किट्टू ही हाथ उठाकर जवाब देता। लेकिन उसके

दिल में तीनों दोस्तों के लिए बहुत प्यार था। वह हमेशा कहता, 'देखो जब तुम लोग कहते हो तो मैं तुम्हारे साथ खेलता हूँ ना, तो फिर जब मैं पढ़ने को कहता हूँ तो तुम्हें भी पढ़ना चाहिए ना? मेरे प्यारे दोस्तों, क्या तुमने वो कहावत नहीं सुनी कि 'खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब। पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब', इसलिए खेलने के समय खेलो, पर पढ़ने के समय पढ़ भी लिया करो।' लेकिन किट्टू की यह बात सुनकर टीटू हमेशा हंस देता। कहता, 'सारा दिन तो क्लास में मैडम की बात सुनकर बोर हो जाते हैं और बाहर आते ही तुम शुरू हो जाते हो'।

अचानक मीकू बीच में ही बोलता है, 'अरे यार, न्यूईयर की पार्टी में अब सिर्फ 3 या 4 दिन ही बाकी रह गए हैं, तो बताओ कि इस बार की पार्टी का क्या प्लान है।' तभी बिट्टू बन्दर उछलने लगता है। भई वाह, न्यू ईयर पार्टी में बड़ा मजा आएगा।

क्या-क्या सोचा है, इस बार पार्टी के लिए। किट्टू खरगोश फिर कहता है, भाई, पार्टी तो बाद में भी की जा सकती है। जरा ये सोचो कि एग्जाम आने वाले हैं। अगर हम अभी से ही पढ़ना शुरू कर दें तो हम टॉप भी कर सकते हैं। टीटू हाथी

फिर बीच में आकर कहता है, अभी एग्जाम की बात नहीं होगी, पहले पार्टी, बाकी सब उसके बाद।

अब किट्टू खरगोश चुप हो जाता है और कहता है, ठीक है भाई पहले पार्टी, लेकिन इस बार पार्टी मेरे यहां नहीं रखेंगे। टीटू हाथी फटाफट बीच में बोलता है। यानी इस बार पार्टी मेरे यहां रखेंगे। तो तय हुआ इस बार केक के साथ पेप्सी, समोसे, चाकूमीन और बर्गर जरूर होना चाहिए। मीकू मेढक खुशी जाहिर करते हुए चिल्लाते लगाता है। इस बार बड़ा मजा आने वाला है।

लेकिन हां, गाना बजाना भी जरूर होना चाहिए, ठीक है। और बिट्टू बन्दर लीडर बनता हुआ कहता है, हां, जरूर होगा। अब सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता। थोड़ा सा भी समय मिलता तो तुरन्त पढ़ने लगता। लेकिन बाकी सब पढ़ाई को भूल कर न्यू ईयर की तैयारी में बिजी चल रहे थे। अब न्यू ईयर की ईवनिंग आती है। बिट्टू बन्दर बड़ा खुश होता है। आज तो पार्टी है, ये सोचकर बार-बार मीकू मेढक को फोन करके पूछता रहता है, मैं कौन-सी शर्ट पहनूं और खूब तैयारियां करता है। मीकू भी पार्टी को लेकर बड़ा एक्साइटड होता है। वहीं किट्टू खरगोश अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाता है।

शाम को सब टीटू हाथी के घर इकट्ठा होते हैं। थोड़ी ही देर में पार्टी भी शुरू हो जाती है। बिट्टू बन्दर खूब डंस

करता है। जब सारे दोस्त मस्ती कर रहे होते हैं तो किट्टू वहीं बैठकर यह सोचता है कि इस बार यूनिट टेस्ट में इन सबका क्या होगा, क्योंकि पार्टी के चक्कर में इन्होंने तैयारी तो की ही नहीं है। किट्टू खरगोश यह सोचते हुए ही वहां से निकल जाता है और घर पहुंचकर पढ़ना शुरू कर देता है। अगले दिन यूनिट टेस्ट होता है। सभी पेपर देते हैं, लेकिन किट्टू के तीनों दोस्त उदास हो जाते हैं। पेपर देखकर उन्हें समझ ही नहीं आता कि क्या लिखें। उनका पेपर देखकर मैडम भी उन्हें खूब डांटती हैं और कहती हैं, 'तुम्हारा ध्यान पढ़ने में बिल्कुल नहीं है। क्या तुम्हें नहीं पता था कि आज पेपर है। अपने दोस्त किट्टू से कुछ सीखो, वो कितना समझदार है। उसने पूरा पेपर किया है।' अपने दोस्तों को डांट पड़ती देख किट्टू को बहुत बुरा लगता है। कुछ दिन बाद ही रिजल्ट आता है। मैडम किट्टू को शाबाशी देते हुए कहती हैं, 'तुमने टॉप किया है बेटा, वेलडन।' मैडम सभी बच्चों को रिजल्ट दे देती हैं, लेकिन किट्टू के तीनों दोस्तों को नहीं देती। उन्हें परेड्स को बुलाने को कहती हैं। यह सुनकर सभी डर जाते हैं। किट्टू के रिकॉर्ड करने पर मैडम बताती हैं कि तीनों फेल हो गए हैं। किट्टू बहुत उदास होता है और खुशी भुलाकर दोस्तों को दितासा देते हुए कहता है, 'कोई बात नहीं दोस्तों, इस बार अच्छे से मेहनत करना और तुम ही टॉप करना। लेकिन मुझे बहुत दुख हुआ है।' इसके बाद से किट्टू के तीनों दोस्त सुधर गए और वो भी किट्टू की ही तरह पढ़ाई में ध्यान लगे। फिर तो तीनों में यह शर्त लगती थी कि कौन फर्स्ट आएगा और कौन सेकंड।



सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता।